● वर्ष-4
● अंक-90
रायपुर, शनिवार
23 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» ऐसा अनोखा देवी मंदिर जहाँ नहीं है ...

शुरू होगी 'मुख्यमंत्री गुड गवर्नेंस फेलो योजना'

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर में ''गुड गवर्नेंस'' विषय पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में ''मुख्यमंत्री गुड गवर्नेंस फेलो योजना'' शुरू करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार आईआईएम रायपुर के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के मूलनिवासी छात्रों के लिए पब्लिक पॉलिसी एण्ड गवर्नेंस में मास्टर पाठ्यक्रम शुरू करेगी। इसके लिए छात्रों का चयन कैट के माध्यम से किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस योजना में आईआईएम रायपुर में कक्षाओं के साथ-साथ छात्रों को छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में व्यवहारिक अनुभव भी दिया जाएगा। पाठ्यक्रम की पूरी फीस राज्य सरकार वहन करेगी, साथ ही छात्रों को निर्धारित मासिक स्टायफंड प्रदान करेगी। यह योजना शासन में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के साथ-साथ राज्य के युवाओं को उच्च स्तरीय शिक्षा और प्रायोगिक अनुभव का अवसर प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ में पेशेवरों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो सरकार, एनजीओ, थिंक टैंक और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर गवर्नेंस को बेहतर बनाने के क्षेत्र में काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन में देश भर से आए हुए वरिष्ठ अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों, सुधीजनों का छत्तीसगढ़ के नागरिकों की ओर से हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि आप लोगों ने देश के विभिन्न राज्यों में चल रहे बेस्ट प्रेक्टिसेस को एक दूसरे से साझा किया है। सबने मिलकर सुशासन के क्षेत्र में परस्पर सहयोग और भागीदारी को बढ़ाने के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया है। इन दो

दिनों के दौरान आप लोगों ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन की स्थापना की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बारे में काफी कुछ जाना और समझा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसा कि आप लोग जानते हैं कि हम लोगों की राजनैतिक विचारधारा के मूल में ही सुशासन का विचार है। हमारे पुराणों में जिसे रामराज कहा गया है, उसे ही हम सुशासन कहते हैं। सर्वे भवन्तु सुखिनः हमारा मूलमंत्र है। अंत्योदय और एकात्म मानववाद हमारा राजनैतिक दर्शन है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी हमारे प्रेरणा पुरूष हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नेतृत्व में हम सुशासन के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की अधिक से अधिक से भागीदारी के लिए प्रयासरत हैं। हमारा 44 प्रतिशत भू-भाग घने जंगलों से आच्छादित है, इसलिए भारत के पर्यावरण और जैव विविधता को बचाए रखने की महती जिम्मेदारी भी हम पर है। इन सबके साथ-साथ राज्य की जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को बचाए रखना भी हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। हमने राज्य में समृद्ध खनिज संपदा, औद्योगिक विस्तार, कृषि विस्तार के साथ-साथ यहां के प्राकृतिक और सांस्कृतिक सौंदर्य को भी महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में चिन्हित किया है। हम राज्य के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सुशासन को भी महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में देख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अपनी नई उद्योग नीति लांच की है, इसमें पर्यटन के विकास को भी प्रोत्साहित किया गया है। बस्तर जैसे जनजातीय क्षेत्रों में उद्योगों के लिए जमीन की उपलब्धता एक चुनौती होती है। ऐसे में इन क्षेत्रों का प्राकृतिक और सांस्कृतिक सौंदर्य वहां के लिए एक बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। रोजगार और आय में बढ़ोतरी के अवसर निर्मित होंगे। लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा। राज्य में हम एक बड़े टूरिज्म सर्किट के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा विशेष फोकस बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय क्षेत्रों पर है। हम इन स्थलों पर पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास करने के साथ-साथ मूलभूत अधोसंरचनात्मक विकास भी कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने हाल ही में बस्तर के कांगेर वेली के गांव धुड़मारास को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए विश्व के चुनिंदा 20 गांवों में शामिल किया है। इससे हम बहुत उत्साहित हैं। हमने वनोंपजों और कृषि उपजों के स्थानीय प्रसंस्करण को भी आर्थिक विकास की अपनी रणनीति में अत्यंत महत्वपूर्ण घटक के रूप में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा बनाई गई योजनाओं, कार्यक्रमों, नीतियों और सेवाओं की आम आदमी तक पहुंच के लिए जानकारियों और सूचनाओं की आम आदमी तक पहुंच सबसे प्राथमिक जरूरत है। नक्सलवाद पीड़ित क्षेत्रों में सुरक्षा कैम्पों की स्थापना के साथ-साथ अंदरूनी गांवों में सभी तरह की मूलभूत अधोसंरचनाओं, केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए राज्य शासन द्वारा नियद नेल्ला नार योजना संचालित की जा रही है। यह गोंडी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है-आपका अच्छा गांव। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए शुरू की गई पीएम जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से हमें और भी ज्यादा ताकत मिली है।

संविधान से समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने की मांग

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 25 नवंबर को

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आज कहा कि संविधान की प्रस्तावना में ''समाजवादी'', ''धर्मनिरपेक्ष'' और ''अखंडता'' जैसे शब्द जोड़ने वाले 1976 के संशोधन की न्यायिक समीक्षा की गयी है। हम आपको बता दें कि प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय, पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य की उन याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिनमें संविधान की प्रस्तावना में ''समाजवादी'' और ''धर्मनिरपेक्ष'' शब्दों को शामिल किए जाने को चुनौती दी गई थी। पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर 25 नवंबर को अपना आदेश सुनाएगी। उल्लेखनीय है कि ''समाजवादी'', ''धर्मनिरपेक्ष'' और ''अखंडता'' शब्दों को 1976 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किए गए 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था। संशोधन के जरिये प्रस्तावना में भारत के वर्णन को ''संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य'' से बदलकर ''संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य'' किया गया था। हम आपको याद दिला दें कि भारत में आपातकाल की घोषणा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक की थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि वह ''समाजवाद'' और ''धर्मनिरपेक्षता'' की अवधारणाओं के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन प्रस्तावना में इन्हें शामिल किये जाने का विरोध करते हैं। अश्विनी उपाध्याय ने न्यायालय से अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल के विचार सुनने का आग्रह करते हुए दलील दी कि 42वें संशोधन को राज्यों द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया।

भगवान महावीर के विचार समूची मानवता के लिए हैं प्रेरणास्त्रोत : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के दादाबाड़ी में आयोजित भगवती दीक्षा और मोक्ष माला कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने दादाबाड़ी में भगवान ऋषभदेव की आरती कर प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि और उन्नति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह भगवान महावीर के विचारों की ही शक्ति है कि पीढ़ी दर पीढ़ी उनके मूल्यों को लेकर जैन समाज आगे बढ़ रहा है। महावीर स्वामी के विचार केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिए ही नहीं बल्कि समूची मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी जैन मुनियों का आशीर्वाद लिया.

मंत्री नेताम की कार का टक्कर, बाल-बाल बचे

रायपुर। प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम आज देर शाम दौरे से रायपुर लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। वे बेमेतरा रेस्ट हाउस से चाय पीकर जैसे ही रायपुर आने के लिए निकले कि सिमगा से सात किलोमीटर दूर जेवरा के पास सामने से आती पिकअप गाड़ी ने उनकी वीआईपी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर इतना जोरदार हुआ कि मंत्री की गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

इस घटना में मंत्री के हाथ और सिर में चोट आई हैं। दरअसल, पिकअप की टक्कर से वीआईपी गाड़ी एकदम से रुक गई, जिससे मंत्री रामविचार नेताम का सिर डैश बोर्ड से टकरा गया। उन्हें तुरंत सिमगा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां प्राइमरी उपचार के बाद उन्हें रायपुर रिफर कर दिया गया। मंत्री के साथ एंबुलेंस में आ रहे डॉक्टर पारस पटेल ने बताया कि मंत्री की हालत सामान्य है, वे बात कर रहे हैं। उन्होने कहा कि चिंता या घबराने जैसी कोई स्थिति नहीं। हादसा बेमतरा के पास हुआ। हादसे में मंत्री की गाड़ी के परखच्चे उड़ गये। मंत्री के हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोट आई है। एक्सीडेंट के बाद मंत्री रामविचार नेताम को सिमगा के हॉस्पिटल में लाया गया था। सिमगा अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें रायपुर के एक निजी अस्पताल में

भर्ती कराया गया है। उन्हें एम्बुलेंस के जरिये ग्रीन कॉरिडोर से अस्पताल लाया गया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि मंत्री नेताम की स्थिति स्थिर है। उन्हें सिमगा में प्राथमिक उपचार देने के बाद रायपुर लाया गया है। उन्होने बताया कि वाहन में सवार मंत्री के निज सचिव सहित कुछ और लोगों को भी चोटे आई है।

मुख्यमंत्री ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की- दुर्घटना की सूचना के बाद मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कैबिनेट के हमारे वरिष्ठ साथी रामविचार नेताम जी के कार दुर्घटना में चोटिल होने की सूचना प्राप्त हुई है। प्रभु श्रीराम से उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

प्रमुख समाचार

कांग्रेस हमारी सरकार का हिस्सा नहीं- उमर अब्दुल्ला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) का दर्जा कुछ मुद्दों को संबोधित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कैदियों को जेलों से मुक्त कराने के लिए उन्हें राज्य का दर्जा चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने लोगों को जेलों से मुक्त कराने और विभिन्न चिंताओं पर प्रगति करने में इसके महत्व का हवाला देते हुए, राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहले दिन से, हम जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ चीजें हैं जो लोग चाहते हैं और हम इसे पूरा नहीं कर सकते क्योंकि यह एक यूटी है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रस्ताव को खारिज नहीं किया गया था। यह पारित हो गया। एक दरवाजा खुल गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमारी सरकार का हिस्सा नहीं है, वे हमें बाहर से समर्थन दे रहे हैं। हमारी सरकार यह प्रस्ताव लेकर आई है और बीजेपी के अलावा कांग्रेस समेत ज्यादातर विधायकों ने इसे पारित कर दिया है।

वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय आपातकालः राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर भारत में वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय आपातकाल है जिसके लिए राजनीतिक दोषारोपण के बजाय सामूहिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। गांधी ने अपना एक वीडियो साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि उत्तर भारत में वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय आपातकाल है। एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट जो हमारे बच्चों का भविष्य छीन रहा है और बुजुर्गों का दम घोंट रहा है और एक पर्यावरणीय और आर्थिक आपदा है जो अनगिनत जिंदगियों को बर्बाद कर रहा है। उत्तर भारत के कई शहर, विशेष रूप से दिल्ली और इसके आसपास के शहर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद, पिछले कुछ हफ्तों से गंभीर वायु प्रदूषण से जूझ रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वायु प्रदूषण के कारण गरीबों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है, वे अपने आसपास की जहरीली हवा से बच नहीं पाते हैं, उन्होंने कहा कि जहरीली हवा पर्यटन और वैश्विक प्रतिष्ठा में भी गिरावट का कारण बन रही है। उन्होंने लिखा कि परिवार स्वच्छ हवा के लिए हांफ रहे हैं.

प्रधानमंत्री सुरक्षा चूक मामले में सुको ने याचिका कर दी खारिज?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उन गवाहों के बयानों तक पहुंच के पंजाब सरकार के अनुरोध को खारिज कर दिया, जिन्होंने 5 जनवरी, 2022 को राज्य में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन की जांच के लिए गठित आयोग के समक्ष गवाही दी थी। हमें पंजाब सरकार द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार करने का कोई आधार नहीं दिखता। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा, राज्य जांच समिति के समक्ष गवाहों द्वारा दिए गए बयानों की सहायता के बिना दोषी अधिकारियों के खिलाफ अपनी जांच कर सकता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने बयानों की प्रति मांगते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और कहा कि वह लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ जांच करना चाहती है। 12 जनवरी, 2022 को, सुप्रीम कोर्ट ने अपने पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा को उस सुरक्षा उल्लंघन की जांच के लिए एक जांच समिति का प्रमुख नियुक्त किया, जिसके कारण पीएम मोदी का काफिला 20 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंसा रहा। समिति ने अपनी रिपोर्ट में फिरोजपुर के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरमनदीप सिंह हंस को दोषी ठहराते हुए कहा कि वह कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में विफल रहे.

केजरीवाल से हजार गुना बेहतर हैं आतिशीः एलजी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) के 7वें दीक्षांत समारोह में दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री एक महिला हैं। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि वह अपनी पूर्ववर्ती से हजार गुना बेहतर हैं। आपको बता दें कि दिल्ली में उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी की सरकार के बीच टकराव लगातार जारी रहता है। आप के नेता लगातार उपराज्यपाल पर कई बड़े आरोप लगाते रहते हैं। इन सबके बीच उपराज्यपाल का यह बयान कहीं ना कहीं आम आदमी पार्टी नेतृत्व को कई बड़े संकेत दे रहा है। साथ ही साथ उन्होंने इशारों इशारों में अरविंद केजरीवाल पर भी कटाक्ष कर दिया है। अरविंद केजरीवाल और उपराज्यपाल वीके सक्सेना के रिश्ते कभी अच्छे नहीं रहे हैं। आने वाले दिनों में उपराज्यपाल के बयान की खूब चर्चा होगी। जाहिर सी बात है कि आम आदमी पार्टी की ओर से भी इस पर कोई प्रतिक्रिया जरूर आएगी।

मणिपुर हिंसाः तैनात होंगे 10,000 अतिरिक्त सैनिक

इंफाल। केंद्र जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में 10,000 से अधिक सैनिकों को भेजेगा, जिससे पड़ोसी राज्य म्यांमार में केंद्रीय बलों की कुल कंपनियों की संख्या 288 हो जाएगी। मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने राज्य की राजधानी इम्फाल में संवाददाताओं से कहा, 90 कंपनियों या केंद्रीय बलों के लगभग 10,800 कर्मियों के साथ, मणिपुर में तैनात कंपनियों की कुल संख्या 288 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि हमें बलों की 90 कंपनियां मिल रही हैं।% इसका एक बड़ा हिस्सा पहले ही इंफाल पहुंच चुका है। हम नागरिकों के जीवन और संपत्तियों की रक्षा करने और संवेदनशील क्षेत्रों और बिंदुओं की निगरानी के लिए बलों का वितरण कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि मई 2023 में मैतेई समुदाय और कुकी जनजातियों के बीच झड़प शुरू होने के बाद से सुरक्षा बलों ने अब तक पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए लगभग 3,000 हथियार बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सेना, असम राइफल्स, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल सहित सभी

महाराष्ट्र-झारखंड में किसकी सरकार, आज आएंगे नतीजे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड के लिए कल का दिन बेहद अहम होने वाला है। दोनों की राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे। इसके अलावा वायनाड सहित अलग-अलग राज्यों में हुए उपचुनाव के भी नतीजे सामने आएंगे। हालांकि, सभी की निगाहें बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और इंडिया ब्लॉक के बीच लड़ाई पर टिकी हैं। जहां एनडीए महाराष्ट्र को बरकरार रखने और झारखंड में सत्ता हासिल करने की कोशिश करेगा, वहीं इंडिया गुट का लक्ष्य महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को हराकर उलटफेर करना होगा, जबकि झारखंड में हेमंत सोरेन की जीत सुनिश्चित करना होगा।

महाराष्ट्र में पिछले तीन दशकों में सबसे अधिक मतदान हुआ था, जिसे सत्तारूढ़ दल और विपक्षी महा विकास अघाड़ी दोनों ने अपनी जीत के रूप में देखा था। ज्यादातर एग्जिट पोल के मुताबिक करीबी मुकाबले के बावजूद महायुति गठबंधन आगे चल रहा है। वहीं, झारखंड में, जहां झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन एनडीए गुट से जूझ रहा है, मतदान 68.45 प्रतिशत था। हालाँकि, एग्जिट पोल में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा हेमंत सोरेन को बाहर करने के साथ सत्ता में बदलाव की भविष्यवाणी की गई है।

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतों की गिनती शनिवार सुबह आठ बजे से शुरू होगी। 20 नवंबर को हुए मतदान में अंतिम मतदान 66.05 प्रतिशत रहा जबकि 2019 में यह आंकड़ा 61.1 प्रतिशत था। शनिवार को मतों की गिनती के लिए कुल 288 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव के लिए भी एक केंद्र शामिल है। राज्य में 2019 के विधानसभा चुनावों की तुलना में इस बार उम्मीदवारों की संख्या में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस साल 4,136 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, जबकि 2019 के चुनावों में 3,239 उम्मीदवार मैदान में थे। इन उम्मीदवारों में 2,086 निर्दलीय हैं। 150 से ज्यादा सीटों पर बागी उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें महायुति और एमवीए के उम्मीदवार अपनी पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे थे।

झारखंड

डाक मतपत्रों की गिनती सुबह आठ बजे शुरू होगी और रुझान सुबह नौ से सवा नौ बजे तक आने शुरू हो जाएंगे। प्रदेश में चुनाव दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को हुए। कुल 81 सीटों में से 43 निर्वाचन क्षेत्रों में पहले चरण में मतदान हुआ, जबकि दूसरे चरण में 38 सीटों पर मतदान हुआ। राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत 'इंडिया' और भाजपा नीत राजग के बीच कड़ा चुनावी मुकाबला देखने को मिला। सभी की निगाहें उन प्रमुख सीटों पर होंगी जो प्रमुख राजनेताओं के चुनावी भाग्य का फैसला करेंगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बरहेट से, उनकी पत्नी कल्पना ने गांडेय से, जबकि विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी (भाजपा) ने चंदनकियारी से चुनाव लड़ा है।

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीचशनिवार को सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। उपचुनाव के नतीजों का 403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में सरकार पर सीधा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसे हालिया लोकसभा चुनावों के बाद प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के बीच पहली बड़ी टक्कर के रूप में देखा जा रहा है।

चुनावी नजीतों से पहले हाई अलर्ट में कांग्रेस, झारखंड और महाराष्ट्र के नियुक्ति किये ऑब्जर्वर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव के बाद के घटनाक्रम की निगरानी के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। दिग्गज नेताओं अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और डॉ. जी परमेश्वर को महाराष्ट्र में उभरती राजनीतिक स्थिति पर नजर रखने का काम सौंपा गया है। यह तिकड़ी राज्य में सरकार के गठन और गठबंधन की रणनीतियों पर केंद्रीय नेतृत्व को रणनीतिक मार्गदर्शन और रिपोर्ट प्रदान करेगी। वहीं, वरिष्ठ नेता तारिक अनवर, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एम भट्टी विक्रमार्क और कांग्रेस के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव कृष्णा अल्लावुरु झारखंड की देखभाल करेंगे। नेता मुंबई और रांची में होंगे और करीबी नतीजे या त्रिशंकु विधानसभा होने की स्थिति में उभरती राजनीतिक स्थितियों से निपटने के लिए रणनीति बनाने में राज्य नेतृत्व की मदद करेंगे। पर्यवेक्षक पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की आंख और कान के रूप में भी कार्य करेंगे। महाराष्ट्र में, महा विकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, ने यह सुनिश्चित करने का फैसला किया है कि उसके सभी विजेता एक ही छत के नीचे रहें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई अवैध शिकार का प्रयास न हो। करीबी मुकाबले की स्थिति में प्रतिद्वंद्वी महायुति।

सुकमा में जवानों के साथ मुठभेड़, 10 नक्सली को किया गया ढेर, हथियार भी बरामद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 नक्सली ढेर हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोराजुगुड़ा, दंतेसपुरम, नागाराम और भंडारपदर के जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को ढेर कर दिया। बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुंदरराज पी ने बताया कि शुक्रवार को दक्षिणी सुकमा में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। आईजी के हवाले से कहा गया कि सुबह से गोलीबारी जारी है। तलाशी अभियान जारी है। भंडारपदर के जंगली इलाके में शुक्रवार सुबह उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मी नक्सलियों के लिए तलाशी अभियान चला रहे थे।

उन्होंने बताया कि जिले के दक्षिण क्षेत्र में कोंटा और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला रिजर्व बल

(डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त दल को रवाना किया गया था। दल जब भेज्जी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोराजुगुड़ा, दंतेसपुरम, नागाराम और भंडारपदर गांव के जंगल-पहाड़ी में था तब डीआरजी के दल पर नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

उन्होंने बताया कि एके-47 के अलावा, बलों ने अन्य हथियारों के अलावा एक इंसास और एक सेल्फ-लोडिंग राइफल और कई अन्य हथियार बरामद किए हैं। इस साल जनवरी से अब तक कम से कम 257 नक्सली मारे गए हैं, जबकि 861 गिरफ्तार किए गए और 789 अन्य ने आत्मसमर्पण कर दिया। मौतों की संख्या 2010 के उच्चतम स्तर 1,005 से 90 प्रतिशत कम होकर सितंबर 2024 तक 96 हो गई है। चार दशकों के बाद 2022 में पहली बार मौतों की संख्या 100 से कम रही।

इससे पूर्व 16 नवंबर को राज्य के नक्सल प्रभावित नारायणपुर और कांकेर जिले की सीमा में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में पांच नक्सलियों को मार गिराया था।

जवानों को मिली यह सफलता सराहनीय है : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सुरक्षाबल के जवानों ने शुक्रवार सुबह सुकमा जिले में नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों को मिली यह सफलता सराहनीय है। नक्सलियों के खिलाफ हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रही है। बस्तर में विकास, शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बस्तर में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में, यह जीत जवानों के भुजाओं की ताकत की जीत है : विजय शर्मा

रायपुर। सुकमा जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र में आज पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने नक्सल विरोधी अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। इस मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया गया है और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस अभूतपूर्व सफलता के लिए बहादुर जवानों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बल अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए नक्सल मोर्चे पर लगातार सफलताएं अर्जित कर रहे हैं। अब बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि यह जीत जवानों के भुजाओं की ताकत की जीत है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भटके हुए लोगों से अपील की है कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आएं और देश व प्रदेश के विकास

में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि सरकार विकास और संवाद के माध्यम से नक्सलवाद का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि केंद्रिय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी जा रही है। सुरक्षा के मोर्चे पर हमारी सरकार ने एंटी-नक्सल ऑपरेशन में बड़ी सफलता हासिल की है। पिछले 11 महीने में लगभग 210 से अधिक नक्सली मारे गए हैं, वहीं 800 से अधिक नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है तथा 900 से अधिक नक्सलियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प की दिशा में हमारी सरकार कदम बढ़ा रही है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार राज्य में सुरक्षा और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ सरकार को नक्सलवाद के खिलाफ हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार में नियद नेल्लानार से बस्तर में बदलाव की शुरुआत हो गई है। बिजली, पानी, राशन, अस्पताल, स्कूल, आंगनबाड़ी जैसे तमाम सुविधाएं अब उन क्षेत्रों में मिलने लगी है और उन गावों के युवा खिलाड़ी बस्तर ओलंपिक में भयमुक्त होकर अपनी खेल प्रतिभा को दिखा रहे हैं। बस्तर में खेल के माध्यम से सुखद बदलाव भी आया है।

कबाड़ियों का साम्राज्य ध्वस्त : पांच पकड़े गए

किसी के पास 21 लाख कैश मिला, तो कहीं से लाखों का अवैध कबाड़ बरामद

जशपुर। पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के नेतृत्व में जिले में अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। शुक्रवार सुबह चार बजे से शुरू हुए इस अभियान में जिले के विभिन्न स्थानों पर पुलिस ने छापेमारी कर लाखों रुपये का अवैध कबाड़ बरामद किया। कार्रवाई के दौरान पत्थलगांव, कांसाबेल और कुनकुरी में कई कबाड़ियों के गोदामों से भारी मात्रा में अवैध सामान और नगदी बरामद हुई है। पांच लोगों को थानों में हिरासत में रखा गया है।

पत्थलगांव में तीन कबाड़ियों पर छापा

पत्थलगांव के कबाड़ी बिट्टू, सुंदर और विक्की के गोदामों पर छापेमारी में बड़ी मात्रा में अवैध कबाड़ बरामद हुआ। इनमें लोहे और अन्य धातुओं के अवैध रूप से जमा किए गए सामान शामिल हैं। इसके साथ ही अवैध कबाड़ से भरे दो ट्रक भी बरामद किए जाने की खबर है।

कांसाबेल में कबाड़ी पूनम से 21 लाख रुपये कैश बरामद

कांसाबेल में कबाड़ी पूनम साहू के गोदाम में सैकड़ों पीतल और कांसे के थाल-लोटे बरामद किए गए। इसके अलावा, पूनम के कब्जे से 21 लाख रुपये नकद भी मिले, जिसके वैध दस्तावेज वह प्रस्तुत नहीं कर सकी। पुलिस ने इस मामले की जानकारी आयकर विभाग को भेज दी है।

कुनकुरी में सरकारी संपत्ति का अवैध कबाड़ मिला

कुनकुरी के गिनाबहार में कबाड़ी निजाबुल आलम के गोदाम से सरकारी सप्लाई वाले झूलों और रेलिंग के अवैध सामान मिले। यह सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग का बड़ा मामला है।

संगठित अपराधों पर सख्ती जारी

एसपी शशिमोहन सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें पुलिस की विशेष रणनीति से सफलता मिली। उन्होंने कहा कि जिले में संगठित अपराधों के खिलाफ सख्त अभियान जारी रहेगा। इससे पहले भी एसपी सिंह ने मवेशी और गांजा तस्करी के बड़े रैकेट को ध्वस्त किया है।

मनेंद्रगढ़ में भालू का आतंक, दहशत में ग्रामीण

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। चंवारीडांड गांव में दिन ढलते ही लोग घरों में बंद होने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से भालुओं के हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं। कई बार भालू घरों में घुसकर हमला कर चुके हैं।

ग्रामीण पार्वती गुप्ता ने कहा, हमने वन विभाग को कई बार शिकायत दी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। हमारे बच्चे तक सुरक्षित नहीं हैं।

ग्रामीण पार्वती गुप्ता ने कहा लोगों को बड़ी दिक्कत हो रही है। दो तीन लोगों को भालू काट चुका है। हम चाहते हैं कि सुरक्षा मिले। घर के बाहर छोटे छोटे बच्चे खेलते रहते हैं।

गांव की निवासी अहिल्या सिंह ने बताया, एक रात भालू हमारे घर की बाउंड्री लांघकर अंदर आ गया। मेरे बच्चे बाहर थे, वरना अनहोनी हो जाती। उन्होंने वन विभाग की अनदेखी पर नाराजगी जताई।

ग्रामीण अहिल्या सिंह ने कहा गांव में भालू लगातार आ रहे हैं, खतरा है, वन विभाग को जानकारी भी दिए हैं। कलेक्टर ऑफिस में भी आवेदन दिए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है।

गीता मिश्रा ने कहा कि भालू के चलते डर बना रहता है कि कहीं कोई हानि न पहुंचा दे, कोई दुर्घटना न हो जाए। छोटे छोटे बच्चे हैं। हमें ही रात में घर से बाहर निकलना पड़ता है, लेकिन डर लगता है।

परसो ही हमारे घर में 5 भालू घुस गए थे। सभी को जानकारी है। वन विभाग के कर्मचारी हमारे मोहल्ले में ही रहते हैं।

ग्रामीण पार्वती गुप्ता ने कहा दिन में तो भालू नहीं आता लेकिन रात आठ बजे तक भालू गांव में आ जाते हैं। हम रात आठ बजे के पहले ही दरवाजा बंद कर घर के अंदर ही रहते हैं।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि वन विभाग का घेराव और शिकायतें कई बार कीं, लेकिन विभाग के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। वहीं वन परिक्षेत्र अधिकारी रामसागर कुर्रे का कहना है कि, भालू के बच्चे बड़े हो जाएं, तब हम उचित कदम उठाएंगे।

रामसागर कुर्रे ने कहा हम कदम उठा रहे हैं। अभी भालू बच्चा है, बड़ा हो जाए फिर हम उसकी व्यवस्था करेंगे।

अधिकारी ने दी ये सलाह- वन परिक्षेत्र अधिकारी रामसागर कुर्रे ने यह भी कहा कि लोग सावधान रहें। ज्यादा खुशबू वाला सामान घर में न रखें। जैसे ही भालू के आने की जानकारी लगे तो आग जला लें। आग जलाने से भालू वहां नहीं आएगा।

कांकेर में बीच बाजार भालू ने आदमी पर किया हमला

कांकेर। कांकेर में भालुओं का आतंक जारी है। अक्सर भालू रिहायशी इलाकों में घूमते नजर आते हैं। भालू का एक ऐसा ही वीडियो सामने आया है, जिसमें वह दिन दहाड़े मार्केट में खड़े एक शख्स पर हमला करने की कोशिश कर रहा है।

गुरुवार की घटना है। बाजार में आईसीआई बैंक के सामने शाम के समय एक व्यक्ति खड़ा होकर मोबाइल देख रहा था। उसी दौरान पीछे से एक भालू वहां पहुंचा। भालू पहले आराम से चलते हुए आ रहा था लेकिन जैसे ही उसने आदमी को देखा वह तेजी से दौड़कर उस पर हमला करने के लिए दौड़ पड़ा। कुछ आने की आहट सुनकर व्यक्ति अचानक पीछे मुड़ा और भालू को हड़का दिया। इस दौरान भी भालू व्यक्ति पर हमला करने की कोशिश करने लगा और तेजी से आगे भाग गया। इस घटना के बाद वहां मौजूद कुत्ते भालू के पीछे पड़ गए। ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई।

कांकेर नगर चारों तरफ से पहाड़ियों और जंगलों से घिरा हुआ है। नगर के आस-पास के जंगलों में भालू की बहुतायत संख्या है। अक्सर भोजन पानी की तालाश में भालू जंगल से शहर ओर रुख कर जाते है।

कांकेर के आस-पास शिवनगर-ठेलकाबोड के पहाड़ियों में 2014-2015 में 30 हजार हेक्टेयर भूमि में वन विभाग ने भालू विचरण और रहवास क्षेत्र बनाया था। जिसका नाम जामवंत परियोजना दिया गया था। इस परियोजना के तहत अमरूद, बेर, जामुन जैसे फलदार वृक्ष लगाना था। वन विभाग ने फलदार पौधा तो लगाए लेकिन कोई भी फल देने लायक नहीं बन पाया जिसके कारण अब जंगली भालुओं को शहर की तरफ भोजन के लिए आना पड़ता है। रिहायशी क्षेत्रो में भालुओं के आने से लोगों में अक्सर दहशत का माहौल रहता है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

फर्जी तरीके से कर्मचारियों ने खाते से निकाल लिए 82 हजार

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के नगर पंचायत बोड़ला स्थित एसबीआई बैंक में फर्जी तरीके से कर्मचारियों ने मिलकर महिला खाताधारक के खाते से 82 हजार 200 रुपये निकाल लिए। पीड़ित महिला मंगली बाई पति केवल सिंह मेरावी उम्र 30 निवासी ग्राम भुरसीपकरी थाना तरेगांव जंगल की शिकायत बाद बोड़ला थाना में एसबीआई कर्मचारी सूरज शर्मा, निशांत कुमार, रोकड अधिकारी सलिल के खिलाफ धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया है। बोड़ला थाना से मिली जानकारी अनुसार, महिला का एसबीआई ब्रांच बोड़ला में नवंबर 2007 से खाता खुला था। इसी बीच 30 नवंबर 2023 से 1 दिसंबर 2023 तक रुपये निकाले गए है। इसके बाद महिला ने 19 सितंबर 2024 को ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। 21 नवंबर 2024 को जांच में पता चला कि तत्कालीन पदस्थ आरोपियों ने महिला के निष्क्रय खाता को चालू कर एटीएम जारी कर राशि निकाल ली है। अब पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने वाली है।

झाडेश्वर परिवहन संघ में अज्ञात लोगों ने तोड़फोड़ की

जगदलपुर। जगदलपुर के नगरनार थाना क्षेत्र के आमागुड़ा स्थित झाडेश्वर परिवहन संघ में बीती रात अज्ञात लोगों ने तोड़फोड़ की। इस मामले की जानकारी लगते ही संघ के लोग मौके पर आ पहुंचे। वहीं मामले की जांच करने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि जगदलपुर से लगे नगरनार क्षेत्र में फिर से परिवहन को लेकर चल रहे विवाद में बीती रात झाडेश्वर परिवहन संघ में तोड़फोड़ की गई। बताया जा रहा है कि तीन दिन पहले ही बस्तर सांसद और स्थानीय विधायक ने इस दफ्तर का शुभारंभ किया था। आदिवासियों ने इस परिवहन समिति को बनाया है, नगरनार में तैयार होने वाले स्टील का परिवहन करने के उद्देश्य से इसे बनाया गया था। 2017 का खुटपदर गोलीकांड के बाद से यह गांव काफी चर्चा में था, वहीं बीती रात हुई तोड़फोड़ के बाद एक बार फिर से उसी तरह की नौबत आ रही है।

आधी रात कार में बैठा दिखा विशालकाय अजगर

कोरबा। कोरबा जिले के एनटीपीसी साडा कॉलोनी में एक परिवार उस समय डर से कांप उठा, जब रात 11.30 बजे अपने घर के सामने खड़ी एसयूवी में एक भारी भरकम अजगर को चक्के के पास बैठे देखा। थोड़ी देर तक उस पर नजर रखकर यह सोचा कि अपने से निकल कर झाड़ी तरफ चला जाएगा पर उसको बाहर न आता देख घरवालों की चिंता बढ़ने लगी। तब वह खुद ही उसे भगाने का प्रयास करने लगे, लेकिन अजगर भगाने के बजाए कुंडली मार कर बैठ गया। आखिरकार थक-हारकर घरवालों ने कॉलोनी वासियों की मदद से इसकी जानकारी जितेंद्र सारथी (स्नेक मैन) को दी। जिस पर सारथी ने थोड़ी देर में पहुंचने की बात कही। तब तक उस पर नजर रखने को कहा, फिर थोड़ी देर बाद टीम साडा कॉलोनी एनटीपीसी पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया। अजगर की पकड़ और मजबूत होती गई आखिरकार कार के सामने के चक्के को जैक लगाकर बाहर निकाला गया, जिससे रेस्क्यू करने में आसानी हुई।

केरल के 7 खिलाड़ी हुआ फूड पाईजनिंग का शिकार

राजनांदगांव। नेशनल बास्केटबाल गेम्स में शामिल होने आए केरल के 6 बालिका व एक बालक खिलाड़ी शुक्रवार को फूड पाईजनिंग और अन्य मौसमी बीमारी के चपेटे में आने से बीमार हो गए। सभी बीमार खिलाडियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी खिलाड़ी एक निजी स्कूल में ठहरे हुए थे। बताया जा रहा है कि खानपान के चलते और मौसम में आए बदलाव से खिलाड़ी बीमार हुए हैं। बीमार खिलाडियों में एक 17 वर्ष का और 6 खिलाड़ी 14 वर्ष से कम उम्र के हैं। केरल के खिलाड़ी स्थानीय स्टेशन रोड स्थित एक निजी स्कूल में ठहरे हुए हैं। जिसमें कुछ बच्चे आज बीमार हो गए। बीमार बच्चों को जिला अस्पताल में व्हीलचेयर से वार्डों में एडमिट किया गया है। केरल टीम के कोच और अन्य लोग बीमार बच्चों के उपचार में मदद कर रहे हैं। खिलाडियों के अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद जिला खेल अधिकारी देवेन्द्र सिंह ठाकुर ने एक टीम को अस्पताल रवाना किया है। ठाकुर के मुताबिक बच्चों की तबीयत की जानकारी ली जा रही है।

अवैध धान खपाने की कोशिश नाकाम 3654 बोरी धान जब्त

एमसीबी। भरतपुर अनुविभाग में धान खरीदी वर्ष 2024-25 के तहत अन्य राज्यों के धान को अनुविभाग के विभिन्न उपार्जन केंद्रों में खपाने की कोशिश की जा रही थी। धान खरीदी 2024-25 की नीति के अनुसार और अवैध धान के खिलाफ राजस्व एवं खाद्य विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही की गई। इस कार्रवाई के दौरान अनुविभाग से सटे मध्यप्रदेश राज्य से रात में विभिन्न वाहनों में लाए गए कुल 295 बोरी धान को वाहन सहित जब्त कर कुवांरपुर थाना पुलिस चौकी और जनकपुर थाने में सुपुर्द किया गया। कार्रवाई के इसी क्रम में अन्य राज्य से लाए गए धान को विभिन्न गोदामों और घरों में छुपाकर रखा गया था। संयुक्त दल ने कुल 3359 बोरियों (35-40 किलो प्रति बोरी) को जब्त कर जहां से धान जब्त किया गया, वहीं सुपुर्दगी में दे दिया। इस प्रकार संयुक्त कार्यवाही के अंतर्गत कुल 3654 बोरी धान को अवैध रूप से उपार्जन केंद्रों में खपाने से रोका गया। यह पूरी कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी (रा.) के निर्देशानुसार संयुक्त दल द्वारा अंजाम दी गई।

दुर्ग दौरे पर आए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य

दुर्ग। अंतर सिंह आर्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष हैं। आर्य ने दुर्ग दौरे पर पत्रकारों से बातचीत की। अंतर सिंह आर्य ने कहा कि शिक्षा की ही वो माध्यम है जिससे आदिवासियों की जिंदगी में सुधार आएगा। अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने कहा कि सरकार का उद्देश्य आदिवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। आर्य ने कहा कि प्रत्येक आदिवासी ब्लॉक में चार से पांच एकलव्य आदिवासी आश्रम होने चाहिए। आर्य ने कहा कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग आदिवासी वर्ग के लिए युवा संवाद, जन संवाद

कार्यक्रम की शुरुआत करेगा।

अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने कहा कि वन्य ग्राम के तहत फॉरेस्ट विभाग को अधिकार प्राप्त थे परंतु अब वन्य ग्राम को राजस्व ग्राम बना दिया गया है। जो आदिवासी इन क्षेत्रों में खेती किसानी कर रहे हैं उन्हें चार हेक्टेयर भूमि अर्थात 10 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई जा सके ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। आर्य ने कहा कि इसके लिए उनके पास 30 से 35000 अभी आवेदन मिले हैं। सभी आवेदनों की समीक्षा की जा रही है। रिमोट एरिया में टावर लगाने का काम शुरु होगा।

अंतर सिंह आर्य ने कहा कि पूरे देश में 476 एकलव्य आवासीय आश्रम के निर्माण का कार्य चल रहा है। अपने दौरे के दौरान अंतर सिंह आर्य ने भिलाई इस्पात संयंत्र के कई प्रमुख इकाइयों में लौह और इस्पात उत्पादन की प्रकिया का निरीक्षण भी किया। बीएसपी प्लांट के कई सेक्शन का दौरा कर उनमें चल रहे कामों की भी जानकारी ली।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी, 1.16 लाख से ज्यादा किसानों ने बेचा धान

रायपुर/बलौदाबाजार। 14 नवंबर से शुरू हुए धान खरीदी अभियान में अब तक 5.37 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी हो चुकी है। अब तक 1.16 लाख से अधिक किसानों ने अपना धान बेचा है। धान खरीदी के एवज में किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 971 करोड़ 16 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगा।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस खरीफ वर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों ने धान खरीदी के लिए पंजीयन कराया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस साल 2739 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। गुरुवार को प्रदेश में 26501 किसानों से 1.18 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी हुई। इसके लिए 30828 टोकन

जारी किए गए। इसके अलावा अगले दिन के लिए 25840 टोकन किसानों को दिए गए। रायपुर संभागायुक्त महादेव कावरे गुरुवार को बलौदाबाजार जिले के सिमगा स्थित धान उपार्जन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने धान बेचने आए किसानों से मुलाकात की और खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कावरे ने स्टॉक पंजी, बारदाना रजिस्टर और टोकन रजिस्टर की गहरी जांच की। साथ ही, ढेर में रखे गए धान की नमी मापने के लिए पॉस मशीन का उपयोग किया। जांच में धान की गुणवत्ता सही पाई गई। कावरे ने खरीदी केंद्रों के अधिकारियों से कहा कि किसी भी स्थिति में किसानों से सूखत के नाम पर ज्यादा धान की खरीदी नहीं करनी है। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्धारित सीमा से ज्यादा नमी वाले धान की खरीदी भी नहीं करनी है। अधिकारी ने धान उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि कोई किसान लंबे समय तक इंतजार न करें। इस मौके पर कलेक्टर, एसडीएम सिमगा अंशुल वर्मा, तहसीलदार अनिरुद्ध मिश्रा, खाद्य अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग के अनुसार, जिले में अब तक 7,521 किसानों से 30,875 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। इसमें 18,369 मीट्रिक टन मोटा, 405 मीट्रिक टन पतला और 12,131 मीट्रिक टन सरना धान शामिल है। इसके बदले में 6,730 किसानों को 54 करोड़ 68 लाख 89 हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया जा चुका है। जिले में इस साल अनुमानित 9,62,910 मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है, और अब तक कुल 1,67,787 किसान पंजीकृत हो चुके हैं।

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य विगत 14 नवम्बर से सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया है। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी के मार्गदर्शन में जिले के सभी 20 धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी हेतु समुचित व्यवस्था की गई है। जिले में कुल पंजीकृत किसानों की संख्या 24 हजार 460 है। जिले में 21 नवम्बर की स्थिति में कुल 42 हजार 379.20 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र पहुंचे रायपुर मंत्री जायसवाल ने किया स्वागत

रायपुर। केंद्रीय राज्य मंत्रीडॉ. जितेंद्र सिंह

शुक्रवार को राजधानी रायपुर पहुंचे। जहां कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदन जैन, विधायक पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी नरेश चंद्र गुप्ता, स्वागत समिति के सदस्य प्रीतेश गांधी सहित पदाधिकारीगण ने स्वामी विवेकानंद विमानतल में उनका आत्मीय स्वागत किया।

कचना ओवर ब्रिज का काम टेक्निकल प्रॉब्लम के चलते रुका

रायपुर। कचना रेलवे फाटक पर अक्सर जाम

के हालात बन जाते हैं। रेलवे ब्रिज नहीं होने से लोगों को लंबे वक्त तक ट्रेनों के गुजरने का इंतजार करना पड़ता है। मुसाफिरों को परेशानी से बचाने के लिए यहां पर ओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा था। पीडब्ल्यूडी विभाग ने यहां पर ब्रिज बनाने का काम शुरु किया। ब्रिज बनाने का काम पूरा होता उससे पहले ही पुल का काम रोक दिया गया है। बताया जा रहा है कि पुल के निर्माण में कुछ तकनीकी खामियां हैं जिसके चलते पुल का निर्माण रोक दिया गया है। रेलवे की ओर से कहा गया है कि तकनीकी खामियों की जानकारी पीडब्ल्यूडी के संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। अब दोबारा जब रेलवे हेडक्वार्टर की ओर से मंजूरी मिलेगी तब ब्रिज का काम आगे शुरु किया जाएगा। रेलवे की मानें तो आने वाले 15 दिनों के भीतर ब्रिज के डिजाइन में सुधार किया जाएगा फिर आगे का काम शुरु होगा। कचना रेलवे फाटक के आस पास से रोजाना 25 से 30 हजार की आबादी गुजरती है। ट्रेनों के आने और जाने के चलते यहां अक्सर फाटक पर भीड़ लगी रहती है। जाम के भी हालात बन जाते हैं।

प्रेस क्लब में लर्निंग लाइसेंस शिविर 23 व 24 नवंबर को

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा 23 एवं 24 नवंबर को दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे तक लर्निंग लाइसेंस एवं लाइसेंस संबंधित अन्य निराकरण के लिए शिविर का आयोजन किया गया है। प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर, महासचिव डॉ. वैभव शिव पाण्डेय ने सभी सदस्यों से परिवार सहित इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

ऑटो पर चिपकाए गए रजिस्टर्ड नंबर यात्रियों की शिकायत पर होगी कार्रवाई

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार

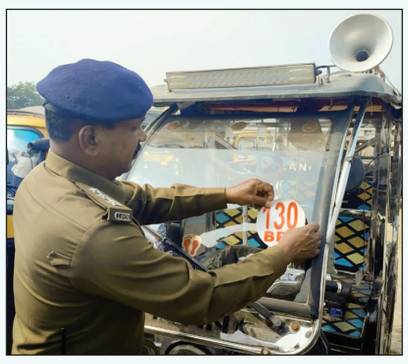

जिले में सुव्यवस्थित और सुरक्षित यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक ने टांसपोर्टरों की बैठक ली और वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी है। यदि ऐसा होता है तो चालक के साथ वाहन मालिकों पर भी कार्रवाई होगी। वहीं उन्होंने चालकों को बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े न कर यार्ड में ही वाहन खड़ा करने हिदायत दी है। इसके अलावा स्क के निर्देश पर यातायात ष्टस्क अमृत कुजुर ने भी आज बलौदाबाजार के आटो चालकों की बैठक ली और यातायात नियमों को पालन करने के सख्त निर्देश दिए हैं। आम नागरिकों को आटो में कोई तकलीफ न हो और उनकी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई हो सके इसके लिए भी सभी ऑटो पर चालक के नाम से रजिस्टर्ड सीरियल नंबर चिपकाया गया है। यातायात डीएसपी अमृत कुजुर ने बैठक में ऑटो चालकों को शराब पीकर गाड़ी न चलाने और यात्रियों से नम्रता पूर्वक व्यवहार करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यात्री के कोई सामान आटो में भूल से छूट जाने पर ईमानदारी से उसे पुलिस थाना में जमा कर एक आदर्श आटो पायलट और आदर्श नागरिक के कर्तव्य निभाएं। इसके साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर जिले के सभी आटो में उसके चालक के नाम से रजिस्टर्ड नंबर भी चिपकाए गए, ताकि सफर के दौरान अगर कोई आटो चालक, यात्रियों के साथ बदसलूकी करता है, तो यात्री तत्काल उस नंबर पर कॉल कर घटना की शिकायत दर्ज करा सके।

कौन बनेगा रायपुर दक्षिण का विधायक, आज होगा भाग्य का फैसला

मतगणना आज सेजबहार स्थित गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में होगी, 19 राउंड में वोटों की गिनती

रायपुर। रायपुर नगर दक्षिण उपचुनाव के लिए मतगणना 23 नवंबर को सेजबहार स्थित गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में होगी। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र 51-रायपुर नगर दक्षिण के उपनिर्वाचन की मतगणना तिथि 23 नवंबर दिन शनिवार को नियत है।

उन्होंने बताया कि निर्वाचन के लिए दो सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त मतगणना के लिए चार अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि मतगणना का कार्य मतगणना तिथि के दिन आठ बजे से शुरू होगा। सुबह आठ बजे से पोस्टल बैलेट की गणना होगी। पोस्टल बैलेट की गणना शुरू होने के बाद साढ़े आठ बजे से ईवीएम मशीनों के मतों की गणना शुरू होगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कंगाले ने बताया कि मतगणना हॉल में ईवीएम में पड़े मतों की गिनती के लिए 14 टेबल लगाए

गए हैं। यह गणना कुल 19 राउण्ड में पूरी होगी। पोस्टल बैलेट की गणना के लिए 1 अतिरिक्त टेबल की व्यवस्था की गई है। मतगणना हॉल के प्रत्येक टेबल में एक-एक काउटिंग सुपरवाइज़र, काउटिंग असिस्टेंट एवं माइक्रो आब्जर्वर होंगे, जो मतगणना का कार्य संपादित करेंगे। मतगणना हॉल में ही रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा मतगणना की जानकारी को संधारित करने के लिए डाटा कम्पाइलेशन एवं अपलोडिंग सेक्शन बनाया गया है। मतगणना हॉल में अभ्यर्थी या अभ्यर्थियों के मतगणना एजेन्ट्स भी उपस्थित रह सकेंगे, जो मतगणना हॉल में किए गए फेंस से बाहर लगी हुई कुर्सियों में बैठकर मतगणना कार्य का अवलोकन कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि मतगणना हॉल में अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश निषेध रहेगा। रिटर्निंग ऑफिसर अपने विवेक के अनुसार किसी भी व्यक्ति को मतगणना परिसर या मतगणना हॉल से बाहर जाने को कह सकते हैं और यह निर्देश बाध्यकारी होगा। मतगणना हॉल में रिटर्निंग अधिकारी द्वारा दिया गया निर्देश सर्वमान्य होगा। विवाद की स्थिति निर्मित होने पर रिटर्निंग ऑफिसर कानूनी कार्यवाही कर सकता है। मतगणना हॉल में इलेक्ट्रॉनिक आईटम्स जैसे- मोबाईल, आईपैड, लैपटॉप, स्मार्ट वाच, कैमरा, तम्बाकू, गुटखा आदि ले जाना प्रतिबंधित है।

मतगणना अभिकर्ता मतगणना हॉल में कोरा कागज , मतपत्र लेखा प्रारूप 17सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किया गया ईव्हीएम/व्हीव्हीपैट की सूची, जो विधानसभा के विभिन्न मतदान केन्द्रों में प्रयोग में लाई गई है तथा पेन/पेंसिल को ले जा सकेंगे। मतगणना हॉल के भीतर मतगणना के परिणाम का योग करने के लिए प्रत्येक टेबल पर एनालॉग कैल्क्यूलेटर की व्यवस्था की गई है. जिसका उपयोग अभ्यर्थी या उनके मतगणना अभिकर्ता कर सकते हैं। मतगणना परिसर में त्रिस्तरीय सुरक्षा रहेगी। प्रत्येक स्तर में सुरक्षाकर्मियों द्वारा प्रत्येक व्यक्ति की गहन जाँच की जाएगी।

प्रत्येक व्यक्ति द्वारा सुरक्षाकर्मियों को अपना पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। मतगणना कार्य की चक्रवार जानकारी भारत निर्वाचन आयोग के इनकोर काउटिंग एप्लिकेशन में अपलोड किया जाएगा, जिसें आमजन https://results.eci.gov.in लिंक के माध्यम से देख सकते हैं।

निर्वाचन परिणाम की घोषणा से 7 दिवस के भीतर अधिकतम मत प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी के बाद क्रम संख्या 2 एवं 3 पर आने वाले अभ्यर्थी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की अधिकतम 5 प्रतिशत ईव्हीएम (बीयू, सीयू एवं वीवीपेट) की बर्न्ट मेमोरी/माइक्रोकंट्रोलर की जाँच एवं सत्यापन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है, जिसके लिए प्रति ईव्हीएम सेट 40,000 रूपये (18 प्रतिशत जीएसटी अतिरिक्त) का शुल्क देय होगा।

रेल मंत्री वैष्णव के दौरे से पहले रेल अधिकारी अलर्ट

नागपुर डीआरएम निरीक्षण करते पहुंची रायपुर

रायपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 25 नवंबर को इंस्पेक्शन करने रायपुर आने वाले हैं। मंत्री के दौरे से पहले नागपुर और रायपुर रेल मंडल के अधिकारी उन तमाम स्थलों का दौरा कर मुआयना कर रहे हैं, जहां-जहां रेल मंत्री जाएंगे। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन से अवैध वेंडरों को दूर रहने की ताकीद भी कर दी गई है।

रेल मंत्री वैष्णव की यात्रा से पहले आज नागपुर रेल मंडल ष्ठक्रू समेत मंडल के अन्य अधिकारी उसी खास ट्रेन से नागपुर से निरीक्षण करते हुए रायपुर पहुंचे, जिस ट्रेन से रेल मंत्री अपनी यात्रा करेंगे। अधिकारियों ने स्टेशन की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए नजर आई कमियों को तत्काल दूर करने का निर्देश दिया।

मामला केवल अप टू डेट अधिकारी-कर्मचारियों का ही नहीं है, बल्कि स्टेशन सहित परिसर की साफ-सफाई का भी खास ध्यान रखा जा रहा है। इसके अलावा स्टेशन में नजर आने वाले काउंटर और वेंडर को भी खासतौर से ताकीद किया गया है। अवैध वेंडरों को तो स्टेशन के पास भी नहीं फटकने के लिए कहा गया है। बता दें कि रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मंडल के दौरे पर रहेंगे। शेड्यूल के मुताबिक, 24 नवंबर को वे दिल्ली से रात 8 बजकर 10 मिनट रवाना होकर रात 9:40 बजे नागपुर पहुंचेंगे। नागपुर में रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन 25 नवंबर को वो सुबह 8 बजे आयोजित एसटी-एससी एसोसिएशन के वार्षिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कार्यक्रम इसके बाद रेल मंत्री सुबह 9:50 बजे नागपुर से ट्रेन से रवाना होते हुए 1:15 बजे रायपुर पहुंचेंगे। रायपुर एक घंटे बिताने के बाद वे 2:15 बजे फ्लाइट से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। हालांकि ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि रेल मंत्री विंडो ट्रेलिंग इंस्पेक्शन करेंगे, या ट्रेन में यात्रियों से बातचीत करेंगे।

मुख्यमंत्री साय आज बिलासपुर में 143 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय 23 नवंबर को बिलासपुर को 143 करोड़ 68 लाख रूपये की लागत के अनेक विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान सकरी रोड, मिनोचा रोड, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, मिनी स्टेडियम, सिटी कोतवाली के पास निर्मित मल्टीलेवल पार्किंग और अरपा नदी तट पर निर्मित राम सेतु मार्ग का लोकार्पण करेंगे। श्री साय इस मौके पर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में राउत नाचा महोत्सव में शामिल होंगे।

रामसेतु मार्ग- वज्रपात उत्थान और तट संवर्धन प्रोजेक्ट अंतर्गत अरपा नदी के दांयी तरफ की सड़क का नाम रामसेतु मार्ग रखा गया है। रामसेतु मार्ग की लागत 49 करोड़ 98 लाख रूपये है, जिसमें फूटपाथ, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट, रिटेनिंग वॉल, पीचिंग और सौंदर्यीकरण कार्य शामिल है।

मिनी स्टेडियम- शहर के पुराने और प्रतिष्ठित शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला मल्टीपरपज़ स्कूल के मैदान को संवार कर बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 21 करोड़ 79 लाख रूपये की लागत से मिनी स्टेडियम का निर्माण किया गया है, जिसमें 14115 वर्ग मीटर का सर्व सुविधायुक्त क्रिकेट मैदान है जिसकी दर्शक क्षमता 850 है। यहां डे-नाईट मैच खेलने की सुविधा है। यहां इनडोर गेम्स जैसे स्नूकर, बिलियर्ड्स, टेबल टेनिस, स्क्वैश खेलने की सुविधा के साथ-साथ

आधुनिक जिम बनाया गया है। इसके अलावा ट्रेनिंग हॉल का निर्माण किया गया है। इसी भवन में अलग से वीआईपी गैलरी,एनाउंसमेंट बॉक्स और पेंट्री रूम के साथ ही यहां बाहर से आने वाले खिलाडियों के लिए एक हॉस्टल बनाया गया है। यहां दो लॉन टेनिस कोर्ट बनाया गया है।

स्पोर्ट्स कांप्लेक्स- 14 करोड़ 60 लाख रूपये की लागत से संजय तरण पुष्कर परिसर में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण किया गया है, इस तीन मंजिला इस स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के बेसमेंट में पार्किंग, ग्राउंड फ्लोर में रिसेप्शन और रेस्टोरेंट संचालित होगा। प्रथम तल में बैडमिंटन, स्क्वैश कोर्ट, टेबल टेनिस, स्नूकर, बिलियर्ड्स, द्वितीय तल में मल्टीपरपज हॉल, योगा, मैट गेम की सुविधा है। तीसरे तल में मनोरंजन की अनेक सुविधाएं है। उल्लेखनीय है कि बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा शहर में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तीन बड़े प्रोजेक्ट पर काम किया गया है, जिनमें पिंक प्ले ग्राउंड का लोकार्पण पहले ही किया जा चुका है।

कोतवाली मल्टीलेवल पार्किंग-

29 करोड़ 76 लाख की लागत से साढ़े तीन एकड़ में कोतवाली थाना परिसर में तीन मंजिला मल्टीलेवल कार पार्किंग बनाया गया है। ग्राउंड फ्लोर के अलावा सभी फ्लोर में पार्किंग की सुविधा दी गई है जिसमें 192 कार और 325 बाइक एक साथ पार्क की जा सकेगी। ग्राउंड फ्लोर को कमर्शियल कांप्लेक्स के तौर पर विकसित किया गया है जिसमें 46 दुकानों का निर्माण किया गया है।

उस्लापुर-सकरी सड़क- उस्लापुर रेल्वे ओव्हरब्रिज से लेकर सकरी बाईपास चौक तक 15 करोड़ 87 लाख की लागत से नगर निगम द्वारा सवा चार किमी सड़क का उन्नयन और चौड़ीकरण किया गया है। सड़क चौड़ीकरण और उन्नयन होने से राहगीरों को काफी राहत मिली है और ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिली है। उन्नयन और चौड़ीकरण के तहत मार्ग की चौड़ाई बढ़ाई गई है, डिवाइडर बनाया गया है, स्ट्रीट लाइट और दोनों तरफ नाली निर्माण भी किया गया है।

मिनोचा कॉलोनी सहित अन्य रोड- 11 करोड़ 68 लाख की लागत से शहर के विभिन्न सड़कों का डामरीकरण, उन्नयन, साइनेज, मिनोचा कॉलोनी रोड और रोटरी शामिल है, जिसमें प्रमुख रूप से महावीर नगर चौक से उस्लापुर ओव्हर ब्रिज तक 800 मीटर सड़क, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट और रोटरी शामिल है।

खाद्य मंत्री बघेल ने केन्द्रीय मंत्री जोशी से दिल्ली में की मुलाकात

केन्द्रीय पूल में निर्धारित चावल उपार्जन की मात्रा बढ़ाने का किया आग्रह

- छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था के संबंध में दी विस्तार से जानकारी
- मंत्री बघेल के आग्रह पर केन्द्रीय मंत्री जोशी माह जनवरी में आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय खाद्य मंत्री श्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात की और उन्होंने छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था सहित लंबित मुद्दे के संबंध में जानकारी दी। मंत्री श्री बघेल ने इस मौके पर सीएमआर दर अंतर्गत वैट की स्वीकृति, खाद्य सब्सिडी दावा, फोर्टिफाईड चावल तथा एनएफएसए मार्जिन सहित विभिन्न लंबित मुद्दे से संबंधित 17150 करोड़ रूपए की राशि छत्तीसगढ़ को प्रदान करने का आग्रह किया। जिस पर श्री जोशी ने सैद्धांतिक सहमति प्रदान करते हुए इस पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश अपने अधिकारियों को दिए।

मंत्री श्री बघेल ने केन्द्रीय मंत्री श्री जोशी को छत्तीसगढ़ आने का निमंत्रण दिया। जिस पर श्री जोशी ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए माह जनवरी में छत्तीसगढ़ आने का आश्वासन दिया। वे इस दौरान छत्तीसगढ़ में हो रही धान खरीदी का भी अवलोकन करेंगे। खाद्य मंत्री श्री बघेल ने केन्द्रीय मंत्री श्री जोशी को बताया कि छत्तीसगढ़ के किसानों से इस खरीफ सीजन में 160 लाख मीट्रिक टन धान

खरीदी अनुमानित है। जिससे लगभग 107.20 लाख मीट्रिक टन कस्टम मिलिंग चावल निर्मित होगा। इसमें 93 लाख मीट्रिक टन केन्द्रीय पूल एवं 14.20 लाख मीट्रिक टन राज्य पूल शामिल है। जबकि खाद्य विभाग भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश हेतु केन्द्रीय पूल अंतर्गत 70 लाख मीट्रिक टन (54 लाख मीट्रिक टन एफसीआई और 16 लाख मीट्रिक टन नान के लिए कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन की अनुमति दी गई है।

उन्होंने मंत्री श्री जोशी से केन्द्रीय पूल अंतर्गत चावल उपार्जन मात्रा 70 लाख मीट्रिक टन को बढ़ाते हुए समस्त सरप्लस चावल उपार्जन किये जाने का अनुरोध है। चावल उपार्जन की प्रारंभिक समयावधि 30 सितम्बर 2025 तक निर्धारित किये जाने का भी उन्होंने अनुरोध किया। मंत्री श्री बघेल ने भारतीय खाद्य निगम में केन्द्रीय पूल अंतर्गत उपार्जत होने वाले 54 लाख टन चावल में 25 लाख टन उसना चावल एवं 29 लाख टन अरवा चावल की अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया, जिस पर खाद्य विभाग भारत सरकार की स्वीकृति अपेक्षित है। उन्होंने प्रदेश हेतु प्रतिमाह 300 रेक मूव्हमेंट का प्लान भारतीय खाद्य निगम मुख्यालय से प्रदाय किये जाने का निवेदन किया।

मंत्री श्री बघेल ने खरीफ वर्ष 2007-08 से 2014-15 तक के केन्द्रीय पूल हेतु धान परिवहन दर के निर्धारण करने, साथ ही केन्द्रीय पूल एवं विकेन्द्रीकृत सीएमआर के प्रासंगिक व्यय के अंतर्गत मंडी लेबर चार्ज की स्वीकृत दर रू. 22.05 प्रति क्विंटल मंडी लेबर चार्ज को 01 वर्ष अर्थात् खरीफ वर्ष 2023-24 के लिये लागू करते हुए आगामी खरीफ वर्षों के लिये पृथक से दर स्वीकृति की कार्यवाही की अनुमति दिये जाने का अनुरोध किया। धान सुरक्षा एवं रख-रखाव मद के संबंध में राज्य द्वारा प्रेषित प्रस्ताव अनुसार खरीफ वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में प्रावधिक सी.एम.आर. दर स्वीकृति किये जाने और खुले में भंडारित धान के लिए केन्द्रीय भंडार गृह निगम द्वारा निर्धारित मापदंड अनुसार 06 माह से अधिक के भंडारण हेतु मान्य सूखत छत्तीसगढ़ हेतु लागू किये जाने का अनुरोध भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने पत्नी के साथ देखी द साबरमती रिपोर्ट फिल्म

- डायरेक्टर एकता कपूर और एक्ट्रेस रिद्धि भी साथ दिखीं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को देखने धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रायपुर के मॉल पहुंचे। इस दौरान फिल्म की डायरेक्टर एकता कपूर और फिल्म की नायिका रिद्धि डोगरा भी उपस्थित थीं। बताते चलें कि इस फिल्म में 22 साल पहले गुजरात के गोधरा में हुए ट्रेन हादसे की कहानी की सच्चाई को दिखाने की कोशिश की गई है।

मुख्यमंत्री साय ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह फिल्म इसलिए भी देखी जानी चाहिए क्योंकि अतीत का अध्ययन ही हमें वर्तमान और भविष्य के बारे में बेहतर मार्गदर्शन दे सकता है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म इतिहास के उस भयावह सत्य को उजागर करने का अत्यंत सराहनीय और प्रभावशाली प्रयास है जिसे निहित स्वार्थ के लिए छुपाने का प्रयास किया गया था। यह फिल्म तात्कालिक सिस्टम की उस सच्चाई को उजागर करती है, जो झूठे नरेटिव फैलाकर सत्य को दबाने का निंदित प्रयास करती थी। फिल्म दर्दनाक घटना को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करती है।

मुख्यमंत्री साय ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की है। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े भी उनके साथ फिल्म देखने पहुंचे थे।

बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीतने पर खिलाड़ियों को उद्योग मंत्री ने दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खिलाडियों ने गोवा में एशियन थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अपना परचम लहराया है। एशियन थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर कोरबा लौटे खिलाड़ियों को वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने बधाई देकर उनका हौसला अफजाई किया।

15 से 17 नवंबर तक गोवा के मापुसा पेंडम इंडोर स्टेडियम में एशियन

थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, कंबोडिया, वियतनाम समेत अन्य देशों के 300 खिलाड़ी शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में कोरबा के हार्दिक दुरेजा 85 किलोग्राम भार में स्वर्ण पदक, विशाल कुमार साहू 63 किलोग्राम भार में स्वर्ण पदक, मुस्कान जायसवाल 57 किलोग्राम भार में रजत पदक जीता।

मंत्री देवांगन के कोरबा जिले के कोहड़िया स्थित निवास पर सभी प्रतिभागियों ने मंत्री लखन लाल देवांगन और वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन से सौजन्य भेंट कर अपनी उपलब्धि की जानकारी दी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बलौदाबाजार
Office Phone and Fax No. :- 07727-296695 Email ID: ee-res.abhanpur@nic.in

// मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना क्र.- 08 //

क्रमांक / 2841/निविदा/ग्रा.यां.से./2024-25 बलौदाबाजार दिनांक 14/11/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु प्रथम बार मैन्युअल निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	कार्य का विवरण	प्रत्येक कार्य की लागत राशि (लाख में)	कुल लागत राशि (लाख में)
1	2	3	4
1	प्रार्थना शेड निर्माण कार्य शा.उ.मा.वि./ शा.हायर सेकेण्डरी स्कूल, वि.ख. सिमगा एवं बलौदाबाजार (कुल 14 कार्य)	17.48	244.72
2	प्रार्थना शेड निर्माण कार्य शा.उ.मा.वि./ शा. हाई स्कूल, वि.ख. सिमगा एवं बलौदाबाजार (कुल 07 कार्य)	14.57	101.99
3	प्रार्थना शेड निर्माण कार्य शा.उ.मा.वि. जरौद, वि.ख. सिमगा	12.16	12.16
4	प्रार्थना शेड निर्माण कार्य शा. हाई स्कूल झीपन, वि.ख. सिमगा	9.24	9.24

2/ निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति (परिशिष्ट- 2.10 एवं निविदा दस्तावेज परिशिष्ट-2.13) यथा संशोधित व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://cg.nic.in/resworks अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 14.11..2024 से देखी जा सकती है एवं डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 25.11.2024 तक है।

जी-242503963/3

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग बलौदाबाजार

चीन है, भरोसा करने में समय तो लगेगा

पूनम पाण्डे

भारत और चीन के बीच ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी पर देपसांग और डेमचॉक में गतिरोध खत्म कर पेट्रोलिंग शुरू करने का समझौता हुए एक महीना हो गया। समझौते के तहत ही यहां काम हो रहा है। दोनों जगह डिसइंगेजमेंट के बाद पेट्रोलिंग शुरू हो चुकी है। अभी बस यह शुरुआत है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि अगला चरण डीएस्केलेशन का होगा यानी दोनों देशों की सेनाएं यहां से सैनिकों और सैन्य साजोसामान को पीछे हटाएंगी और संख्या कम करेंगी। हालांकि इसमें काफी समय लग सकता है, कई साल का समय। अभी भी सबसे बड़ा फैक्टर दोनों देशों की सेनाओं के बीच विश्वास बहाली का है। इस दिशा में कदम बढ़े हैं, लेकिन वक्त तो लगेगा ही। देपसांग और डेमचॉक में गतिरोध खत्म करने को लेकर सहमति 21 अक्टूबर को बनी। इसी दिन विदेश मंत्रालय की तरफ से इसका ऐलान भी किया गया। अगले दिन भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि हम भरोसे को बहाल करने और एक-दूसरे को आश्वस्त करने की कोशिश कर रहे हैं। 23 अक्टूबर से इन दोनों पॉइंट्स पर दोनों सेनाओं ने टेंट और टेंपररी स्ट्रक्चर हटाना शुरू कर दिया था। 31 अक्टूबर को फाइनल वेरिफिकेशन के लिए जॉइंट पेट्रोलिंग की गई। अप्रैल 2020 के बाद यह पहली पेट्रोलिंग थी। इसके बाद नवंबर में दोनों देशों ने इंडिपेंडेंट पेट्रोलिंग शुरू की। अब डेमचॉक और देपसांग के एक-एक पॉइंट पर दोनों सेनाएं अपनी-अपनी पेट्रोलिंग कर चुकी हैं। देपसांग के चार पॉइंट और डेमचॉक के एक पॉइंट पर भी पेट्रोलिंग होगी। देपसांग में कुल 5 पॉइंट हैं और डेमचॉक में 2 पॉइंट, जहां भारतीय सेना अप्रैल 2020 से पहले पेट्रोलिंग करती आई है। मिलिट्री सूत्रों का कहना है कि इन सब पॉइंट्स पर ही पेट्रोलिंग करने में करीब एक महीने का वक्त लग जाएगा। इसके बाद इन सब जगह पहले की तरह ही फ्रीक्वेंसी में पेट्रोलिंग होनी है। जब लगातार पहले की तरह पेट्रोलिंग करते रहेंगे, तब जाकर एक-दूसरे पर विश्वास बहाल होगा कि स्थिति सामान्य हो रही है। जब देपसांग और डेमचॉक में भरोसा हो जाएगा कि सब ठीक है, उसके बाद बफर जोन पर पेट्रोलिंग शुरू करने पर बात होगी। इसमें भी काफी वक्त लगने की संभावना है। ईस्टर्न लद्दाख में पैंगोग एरिया, गलवान के पीपी-14, गोगरा और हॉट स्प्रिंग एरिया में जब डिसइंगेजमेंट हुआ था, तब पेट्रोलिंग शुरू नहीं की गई थी। वहां बफर जोन बना दिए गए थे, यानी चीन और भारत में से किसी के सैनिक पेट्रोलिंग नहीं कर सकते। बफर जोन पर पेट्रोलिंग को लेकर बातचीत शुरू होने और इसमें सहमति बनने तक में काफी वक्त लग सकता है। पहले वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोआर्डिनेशन मीटिंग होगी। सीनियर अधिकारी बताते हैं कि इस मीटिंग में ही दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की बैठक की तारीख पर बात हो सकती है। बातचीत कई चरणों में हो सकती है। डीएस्केलेशन के लिए सबसे बड़ा फैक्टर विश्वास बहाली है। अभी ईस्टर्न लद्दाख में दोनों तरफ से 50-50 हजार से ज्यादा सैनिक पूरे सैन्य साजो सामान के साथ तैनात हैं। थोड़े से भी सैनिकों की संख्या कम करने से पहले भरोसा बहाल होना जरूरी है। मिलिट्री सर्कल में इसे लेकर लगातार बात भी होती रही है। आर्मी चीफ भी कई मौकों पर कह चुके हैं कि भरोसा बनने में टाइम लगता है। मिलिट्री सर्कल में इसे लेकर सोच साफ लगती है कि एलएसी से सैनिकों को कम करना इतनी जल्दी नहीं हो रहा है। इसकी वजह यह है कि एक बार हाई एल्टिट्यूट से सैनिकों की संख्या कम कर दी, और अगर कहीं फिर उन्हें वहीं तैनात करने की जरूरत पड़ी तो इसमें मुश्किल आ जाएगी। ऊंचाई पर मौसम के अनुरूप ट्रेंड और ढल चुके सैनिकों को फिर वापस ले जाने में दिक्कत आएगी और बहुत वक्त लगेगा। यह समस्या दोनों देशों के सामने आएगी। इसी वजह से इस मामले में न तो भारत जल्दबाजी करेगा और न चीन। सीनियर अधिकारी बताते हैं कि राजनीतिक फैसले मिलिट्री की जरूरत के हिसाब से ही लिए जाते हैं। जब मिलिट्री ने तय किया कि वहां कितनी फौज लगानी है और इसकी सिफारिश की, तब राजनीतिक तौर पर इसका फैसला लिया गया। इसी तरह जब मिलिट्री स्तर पर यह लगेगा कि अब भरोसा बहाल हो गया है, सब ठीक है और आगे भी सब ठीक रहेगा, तब मिलिट्री अपनी राय देगी और उसी हिसाब से फैसला लिया जाएगा।

देश में 'सनातन धर्म बोर्ड' अभियान और कुछ सवाल...

अजय बोकिल

'बंटेगे तो कटेंगे' के बाद हिंदुत्व एजेंडे की राह में नई मुहिम अब 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' की है। हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समाज के हाथों में सौंपने की बात तो पहले से की जा रही थी। चार वर्ष पूर्व उत्तराखंड में भाजपा सरकार ने बद्रीनाथ समेत 51 मंदिरों का प्रबंधन देवस्थानम बोर्ड से लेकर पंडे पुरोहितों के हाथों में सौंप दिया था। हाल में यह मुद्दा सबसे पहले आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरूपति प्रसादम में मिलावट की बात सामने आने पर उठाया था।

उसके बाद इसे हिंदू साधु संतों की दूसरी पंक्ति ने हवा दी। दूसरी पंक्ति इसलिए क्योंकि इन साधु संतो में परंपरागत हिंदू धर्माचायों से ज्यादा संख्या कारपोरेट शैली में काम करने वाले कथा वाचकों की है। उनका अपना आभामंडल और भक्तों की फौज है। इसी संदर्भ में देश के नामी कथा वाचक एवं सनातन न्यास फाउंडेशन के के अध्यक्ष देवकीनंदन ठाकुर की पहल पर बीते 16 नवंबर को दिल्ली में धर्म संसद का आयोजन कर 'सनातन धर्म बोर्ड' गठन की मांग पर मुहर लगाई।

हिंदुत्व के मुख्य पैरोकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से इस बारे में खुलकर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन भाजपा के कुछ नेताओं, जिनमें त्रिपुरा के मत्स्यपालन मंत्री सुधांशु दास व भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर शामिल हैं, ने इस मांग का समर्थन किया है। बहरहाल, देश में हिंदू मंदिरों के नियंत्रण और रखरखाव को राज्य सरकारों और प्रबंधन ट्रस्टों के कब्जे से मुक्त कर हिंदू संतो, पुरोहितों के हाथों में देने की व्यापक मुहिम की यह पहली पायदान है।

हालांकि, इस अभियान से कई बड़े और स्थापित संत अभी दूर हैं। ये वो संत हैं, जिनका भाजपा सरकारों में अच्छा रसूख है और संघ से भी उनके घनिष्ठ रिश्ते रहे हैं। फिलहाल प्रस्तावित सनातन धर्म बोर्ड का प्रारूप क्या हो, इस बारे में स्पष्टता नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि सिख गुरूद्वारा प्रबंधन की तर्ज पर यह बोर्ड काम कर सकता है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अनुसार प्रारूप तय करने के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। वैसे इस अभियान का राजनीतिक पहलू यह भी है कि देश में या तो मुस्लिमों के वक्फ बोर्ड को खत्म किया जाए या फिर कुछ उसी तर्ज पर

संवैधानिक रूप से हिंदू सनातन बोर्ड गठित किया जाए।

उल्लेखनीय है कि इस साल सितंबर में सनातन धर्म रक्षा बोर्ड की जरूरत बताते हुए आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अब समय आ गया है कि पूरे भारत में मंदिरों से जुड़े सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' का गठन किया जाए। इस पर व्यापक बहस होनी चाहिए।

इसी बात को आगे बढ़ाते हुए कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर ने देश की राजधानी दिल्ली में धर्मसंसद बुलाई। इसमें उन्होंने अन्य कथावाचकों और साधु संतों के अलावा राजनीतिक दलों के नेता जैसे मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जेपी नड्डा, अखिलेश यादव को भी निमंत्रण भेजा था। इनमें से कोई भी उसमें शामिल नहीं हुआ। इस धर्म संसद में 13 अखाड़ों से संतों के साथ ही हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, वाराणसी, तीर्थ नगरियों के कई लोग शामिल हुए।

कुछ लोग इसे भाजपा का ही राजनीतिक एजेंडा मान रहे हैं, क्योंकि इस धर्म संसद में समान नागरिक संहिता लागू करने, हलाल सर्टीफिकेट जारी करने वाली कंपनियों का विरोध तथा धर्मांतरण रोकने जैसी मांगें भी उठाई गई। समागम में शामिल जैन मुनि लोकेश ने देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द से जल्द लागू करने की मांग की।

धर्म संसद के मुख्य अतिथि द्वारका शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने राम जन्म भूमि की तरह श्री कृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी मस्जिद भी हिंदुओं को सौंपने की मांग की। धर्म संसद में शामिल अन्य प्रमुख लोगों में सीहोर के पंडित प्रदीप मिश्रा, हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास, अयोध्या के डॉ.राम विलास वेदांती आदि थे। लेकिन इस धर्म संसद से स्वामी अवधेशानंद गिरी, स्वामी गोविंदगिरी स्वामी कैलाशानंद गिरी, आचार्य बालकृष्ण, स्वामी चक्रपाणी, आचार्य प्रमोद कृष्णम, स्वामी दीपांकर जैसी हस्तियां दूर रहीं। धर्म संसद के पहले 4 नवंबर को मथुरा में हिंदू संतों की एक महापंचायत भी हुई थी।

दरअसल, हिंदू धर्म में मंदिरों के रखरखाव प्रबंधन और संचालन के लिए कोई एक सुनिश्चित व्यवस्था नहीं है। कई जगह सरकारों ने मंदिर प्रबंधन के लिए ट्रस्ट बना रखे हैं तो ज्यादातर मंदिरों का मैनेजमेंट पंडे पुरोहितों के भरोसे है। जबकि अखाड़ा परिषद का मानना है कि मंदिर प्रबंधन में सरकारी दखल होने से मंदिरों की परंपरा व व्यवस्था खंडित हो रही है। बताया जाता है कि अखाड़ा परिषद 'सनातन बो'र्ड का प्रारूप तैयार करवा रही है।

इसमें 13 अखाड़ों के प्रमुख संतों, हर प्रदेश के हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज, वरिष्ठ अधिवक्ता, तीर्थपुरोहित व एक हिंदू प्रशासनिक अफसर को शामिल करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही सनातन बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को ही बनना चाहिए, क्योंकि उनके संपर्क में देशभर के धर्माचार्य रहते हैं। चेयरमैन सहित बोर्ड में कुल 21 सदस्य होने चाहिए। इसी मुद्दे पर संत पुरोहित समाज में रस्साकशी शुरू हो गई है। बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को बनाने के प्रस्ताव का अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने पुरज़ोर विरोध किया है।

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी और सचिव रूपेश मेहता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेजे पत्र में मांग की गई है कि सनातन धर्म रक्षा बोर्ड का नेतृत्व शंकराचार्यजी को करना चाहिए न कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को। क्योंकि बोर्ड का प्रारूप बनाने का अधिकार अखाड़ा परिषद को नहीं है। शंकराचार्यजी सनातन धर्म के सर्वमान्य प्रतिनिधि हैं। हालांकि अखाड़ा परिषद के भी दो धड़े हो चुके हैं। एक धड़े के अध्यक्ष निर्वानी अखाड़े से और दूसरे निरंजनी अखाड़े से बताए जाते हैं।

वैसे सनातन बोर्ड के अलावा भारत के हिंदुओं को धार्मिक आधार पर संगठित करने और उसे एक कानूनी संगठन का रूप देने के लिए देश में संवैधानिक 'राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड' की स्थापना भी प्रस्तावित है। भारत का प्रत्येक हिंदू इस बोर्ड का सदस्य होगा। उसे राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड के प्रमुख को चुनने के लिए मताधिकार होगा। हालांकि हर हिंदू को इसका सदस्य बनने की अनिवार्यता नहीं होगी, जबकि जैन, सिख और बौद्ध धर्मावलंबी भी चाहें तो इसके सदस्य बन सकते हैं।

प्रस्तावित बोर्ड के पास हिंदू मंदिरों के प्रबंधन के कानूनी अधिकार होंगे। वर्तमान में बड़े मंदिरो के प्रबंधन और स्वामित्व से जुड़े विवाद भी यह बोर्ड ही सुलझाएगा। इस कानून के तहत राष्ट्रीय सनातन रजिस्ट्रार की नियुक्ति होगी। यह कानून बनने के बाद मंदिरो के प्रबंधन के लिए वर्तमान में लागू हिन्दू देवस्थानम अधिनियम अप्रभावी हो जाएगा। यह ट्रस्ट हिंदू धर्म स्थानों का पंजीयन तो करेगा, लेकिन विभिन्न सम्प्रदायों, पन्थो, मठो आदि का अधिग्रहण नहीं करेगा, और न ही उनके दान का प्रबंधन करेगा। सभी विवाद नागरिको की जूरी द्वारा ही सुने जायेंगे।

सनातन महजब की तरह अपने आप में कोई धर्म नहीं है। जो शाश्वत है, वही सनातन है और हिंदू धर्म व जीवन शैली की मुख्य धारा है। वर्तमान में देश में करीब 7 लाख छोटे बड़े हिंदू मंदिर हैं। इनमें भी सर्वाधिक मंदिर तमिलनाडु में हैं। अंग्रेजों के समय पर हिंदू मंदिरों के रखरखाव को लेकर पहली बार कानून 1863 में बना। इसके बाद तत्कालीन मद्रास (अब तमिलनाडु) में 1925 में हिंदू मंदिरों का प्रबंधन शक्तिशाली कमिश्नर बोर्ड के माध्यम से करने का कानून बना।

केरल में मंदिरों के प्रबंधन के लिए देवस्वोम बोर्ड है, जो मंदिर के पुजारियों और अन्य स्टाफ की भर्ती भी करता है। कर्नाटक में सरकार हिंदू मंदिरो से भी टैक्स वसूलती है। वहां लागू कानून में प्रावधान है कि 1 करोड़ रू से अधिक वार्षिक आय वाले हिंदू मंदिरों को कमाई का 10 फीसदी व 10 लाख रू. तक की आय वाले मंदिरों को कमाई का 5 फीसदी सरकार को देनी होगी।

सनातन बोर्ड बनेगा या नहीं, या कब बनेगा, यह मोदी सरकार पर निर्भर है, लेकिन जिस सुनियोजित तरीके से यह मांग उठाई जा रही है, उसका कुछ तो नतीजा निकलेगा। सवाल यह है कि क्या नई व्यवस्था भी मंदिरों का निर्विवाद संचालन कर पाएगी? क्योंकि अव्यवस्थाओं की शिकायतों के बाद ही तो इस काम में सरकारों ने हाथ डाला था।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

श्रुति नाम वेदों का है, जैसा कि मनु जी ने हो स्थानान्तर में स्वयं श्रुतिस्तु वेदो विज्ञेयः (मनुः 2। 10) कहकर इसे व्यक्त किया है। अतः निश्चित हुआ कि ब्राह्मण वेद हैं।

(12) शाबर-मीमांसाभाष्य (1।2। 33) में लिखा है कि- मन्त्राश्च ब्राह्मणं च वेदः । अर्थात् - मन्त्र और ब्राह्मण दोनों ही वेद हैं।

(13) मीमांसादर्शन (सूत्र 1 । 1 । 88 से आरम्भ करके 33 सूत्रपर्यन्त) में मन्त्रभाग की तरह ब्राह्मण भाग को भी अपौरुषेय सिद्ध किया है, अतः ब्राह्मण ऋषिकृत नहीं, बल्कि मन्त्रों की तरह ऋषिदृष्ट हैं, अतः वह वेद हैं ।

(14) चरणव्यूह (कण्डिका 2) में कहा है कि - त्रिगुणं पठ्यते यत्र मन्त्रब्राह्मण्योः सह ।

यजुर्वेदः स विज्ञेयः शेषाः शाखान्तराः स्मृताः ।।

अर्थात् - जिसमें मन्त्रब्राह्मण-सहित त्रिगुण पढ़ा जाता है। वह यजुर्वेद है, शेष उसकी शाखाएं हैं।

यहाँ मन्त्र और ब्राह्मण दोनों को सम्मिलित करके उसे यजुर्वेद के नाम के स्मरण किया गया है। इससे निश्चित हुआ कि ब्राह्मण वेद हैं।

(15) मनु जी ने हवनकाल का निर्णय करते हुए लिखा है कि- उदितेऽनुदिते चैव समयाध्युषिते तथा । सर्वथा वर्तते यज्ञ इतीयं वैदिकी श्रुतिः ।। (मनुः 2 । 15)

अर्थात- सूर्योदय हो जाने पर और उदय होने से पूर्व तथा नक्षत्र सूर्योदि के अदृष्ट काल में भी हवन करना चाहिये ऐसा वेद का वचन है । समस्त मन्त्रगण में ऐसा कोई मन्त्र नहीं मिलता जिस में कि स्पष्टतया यह बताया गया हो कि सूर्योदय हो जाने पर या उदय से पूर्व यज्ञ हो सकता है, ऐसे बचन ब्राह्मणभाग में अवश्य मिलते हैं।

जैसे- उदिते जुहोति श्रनुदिते जुहोति । (ऐतरेयब्राह्मण 5।5।4) **(क्रमशः)**

कणिक ने कथा द्वारा समझाई कूटनीति, शत्रु को कभी कमजोर नहीं समझना चाहिए

आशुतोष गर्ग

पांडवों का यश देखकर धृतराष्ट्र की चिंता बढ़ने लगी, तो उन्होंने अपने मंत्री और राजनीति विशारद कणिक को बुलवाया और कहा, 'कणिक! पांडवों का यश बढ़ता जा रहा है। मुझे बताओ कि मुझे पांडवों के साथ संधि करनी चाहिए अथवा विग्रह?' कणिक बोला, 'महाराज! छोटे-से कांटे की नोक भी बहुत दिनों तक रह जाए, तो मवाद बना देती है। इसलिए शत्रु को कभी कमजोर नहीं समझना चाहिए। साम, दाम, दंड, भेद आदि किसी भी उपाय से अपने शत्रु को नष्ट कर देना ही राजनीति का मूल-मंत्र है।'

धृतराष्ट्र ने कहा, 'कणिक, यह बताओ कि साम, दाम, दंड, भेद द्वारा शत्रु का नाश कैसे किया जाता है?' तब कणिक ने धृतराष्ट्र को एक कथा सुनाई-किसी वन में एक बुद्धिमान गीदड़ रहता था। उसके चार मित्र बाघ, चूहा, भेड़िया और नेवला भी वहीं रहते थे। एक दिन उन्हें एक हट्टा-कट्टा हिरण दिखा, तो उन्होंने उसे मारने की योजना बनाई। गीदड़ बोला, 'यह हिरण जब सोएगा तो चूहा उसका पैर कुतर ले, फिर बाघ उसे मार डाले और तब हम सब मिलकर इसे खाएं।' योजना के अनुसार, उन्होंने हिरण को मार दिया। फिर गीदड़ ने अपने दोस्तों से कहा, 'तुम स्नान करके आओ, तब तक मैं हिरण की देखभाल करता हूं।' सब स्नान करने चले गए।

बाघ लौटा, तो उसने गीदड़ को चिंतित देखकर पूछा, 'मित्र! तुम किस दुविधा में हो?' गीदड़ बोला, 'बाघ! चूहे ने मुझसे कहा कि हिरण को तो मैंने मारा और बाघ मेरी कमाई खाना चाहता है। चूहे का यह घमंड सुनकर इस हिरण को खाने की मेरी इच्छा नहीं है।' बाघ बोला, 'यदि ऐसा है, तो मैं अपने दम पर पशुओं को मारकर खाऊंगा।' यह कहकर बाघ चला गया। तभी चूहा वहां आया। गीदड़ ने चूहे से कहा, 'नेवला कह रहा था कि बाघ के काटने से हिरण का मांस विषैला हो गया है। इसलिए मैं इसे नहीं खाऊंगा। इसलिए मैं चूहे को मारकर खाऊंगा।'

चूहा डरकर बिल में घुस गया। फिर भेड़िया पहुंचा, तो गीदड़ बोला, 'भेड़िया भाई! बाघ बहुत गुस्से में है। वह बाघिन के साथ यहां आने वाला है। तुम्हें जो ठीक लगे, करो।' यह सुनकर भेड़िया भी भाग निकला। फिर नेवला वहां आया, तो गीदड़ ने नेवले से कहा, 'मैंने बाघ, भेड़िये और चूहे को तो मारकर भगा दिया। यदि तुझे घमंड है, तो तू भी मुझसे लड़ ले।' नेवला बोला, 'जब वे सब तुमसे हार गए, तो मैं कैसे जीतूंगा।' यह कहकर नेवला भी चला गया। सबको भगाकर गीदड़, अकेला ही हिरण का मांस खा गया।

यह कथा सुनाकर कणिक ने धृतराष्ट्र से कहा, राजन! चतुर राजा को भी चाहिए कि गीदड़ की तरह डरपोक को भयभीत कर दे, शूरवीर के आगे हाथ जोड़ ले। लोभी को प्रलोभन देकर और कमजोर को पराक्रम से वश में कर ले। कणिक ने कहा, शत्रु चाहे कोई भी हो, उसे मार डालना चाहिए। प्रण लेकर और धन का लोभ देकर विष या धोखे से भी शत्रु को समाप्त कर देना चाहिए। मारने की इच्छा रखते हुए भी मीठा बोलो, लेकिन मारकर अफसोस व्यक्त करो। जिन पर शंका नहीं होती, उन्हीं पर अधिक शंका करनी चाहिए।

मोदी के दोस्त के अमेरिका की सत्ता में आते ही कैसे फंसे अडानी?

अभिनय आकाश

राजधानी दिल्ली के मान सिंह रोड का साउथ ब्लाक का इलाका, पता 24 अकबर रोड, देश की ग्रैंड ओल्ड पार्टी कांग्रेस का हेडक्वार्टर, भरी दोपहर पिछले आठ दिनों से 400 पार एक्यूआई लेवल से लोगों की अटकी सांसों के बीच राहुल गांधी अपने फेवरेट टॉपिक यानी गौतम अडानी के बारे में बात करने के लिए पत्रकारों के बीच पहुंचते हैं। अपने चिरपरिचित अंदाज में केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हैं और पूछते हैं अडानी जेल के बाहर क्यों हैं? इसका जवाब भी खुद देते हुए बताते हैं कि क्योंकि नरेंद्र मोदी, अडानी के कंट्रोल में हैं। बहरहाल बेशुमार दौलत वाले एक उद्योगपति जिनकी कंपनी दिन दोगुनी और रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रही है। शोहरत का एक बड़ा नाम जिनका जिक्र अक्सर विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी की तरफ से भी मोदी सरकार पर निशाना साधने के लिए किया जाता रहता है। अब अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी पर अमेरिका में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ये आरोप उनकी कंपनी के निवेशकों को धोखा देने से जुड़े हुए हैं। उन पर अमेरिका में अपनी कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के लिए 256 मिलियन डॉलर यानी लगभग 2236 करोड़ रुपए रिश्वत देने और इसे छिपाने का आरोप लगाया गया है। ये पूरा मामला अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। ऐसे में आपको पूरा मामला विस्तार से बताते हैं कि आखिर धोखाधड़ी के आरोप किस सिलसिले में हैं? जांच के घेरे में कौन कौन आए हैं। अब आरोप लगे हैं तो इस पर सफाई तो आएगी ही तो वो पक्ष भी आपको बताएंगे कि अडानी ग्रीन ने आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया दी है। अब बात गौतम अडानी से जुड़ा हो तो भला विपक्ष कैसे चुप रह सकता है। ये भी जान लेंगे। इसके साथ ही इस सब का अडानी ग्रुप के शेयरों पर क्या असर पड़ा है, सारे मामलों का आइए

एमआरआई स्कैन करते हैं।

अमेरिका के सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन यानी एसईसी ने 20 नवंबर को इस मामले में गौतम अडानी के भतीजे सागर अडानी समेत अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेज के अधिकारियों समेत एक अन्य फर्म अश्योर ग्लोबल पावर लिमिटेड के कार्याकारी सिरोल कोपनेस के खिलाफ भी आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर के साथ सात अन्य प्रतिवादियों ने अपनी रिन्यूअल एनर्जी कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दिलाने और भारत की सबसे बड़ी सौर्य ऊर्जा संयंत्र परियोदना विकसित करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को लगभग 265 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने पर सहमति जताई थी। दरअसल, यूनाइटेड स्टेट्स अटार्नी ऑफिस अमेरिका की कानून लागू करने वाली एजेंसी है। इसके ही मुताबिक 20220 से 2024 के बीच अडानी को भारत में अपने ही सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए भारत सरकार से कॉन्ट्रैक्ट चाहिए थे। जिसके लिए अडानी ने भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर के रिश्वत देने की बात कही। अडानी को इस प्रोजेक्ट से 20 साल में लगभग दो बिलियन डॉलर से ज्यादा मुनाफे की उम्मीद थी। आरोप हैं कि अडानी ने इस पैसे को जुटाने के लिए अमेरिकी निवेशकों और बैंकों से झूठ बोला और उनसे 175 मिलियन डॉलर लिए। इन पैसों को रिश्वत के लिए इस्तेमाल किया गया था।

मामले में गौतम अडानी के अलावा उनके भतीजे सागर अडानी, विनीत जैन को आरोपी बनाया गया है। इसके साथ ही अडानी सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट से जुड़े चार और लोगों पर भी आरोप लगे हैं। जिनके नाम सिरिल कैबनेस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा, और रुपेश अग्रवाल हैं। इन चारों ने ब्राइबरी स्कीम में ग्रैंड ज्यूरी, एफबीआई और यूएस सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन की जांच रोकने की साजिश रची थी। अडानी ग्रीन एनर्जी ने फंड देने के तहत अमेरिकी इन्वेंस्टर्स और इंटरनेशनल लेंडर्स से कुल 3 बिलियन डॉलर रकम एकट्ठा की थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में अमेरिका की कोर्ट में सुनवाई के बाद गौतम अडानी और उनके भतीजे के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुए हैं।

अमेरिकी कोर्ट के आरोपों पर अडानी ग्रुप की तरफ से सफाई आई है। अडानी ग्रीन ने यूएस कोर्ट की तरफ से लगाए गए आरोपों को आधारहीन बताया है। कंपनी ने अमेरिकी कोर्ट के आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि कंपनी ने सबी नियमों का पालन किया है। आगे वो मामले पर सभी संभावित कानूनी विकल्पों पर विचार करेगी। अमेरिकी न्याय विभाग ने स्वयं कहा है कि अभियोग में लगाए गए आरोप फिलहाल आरोप हैं और जब तक दोषी साबित नहीं हो जाते, तब तक शामिल लोगों को निर्दोष माना जाता है। ग्रुप की ओर से कहा गया है कि सभी संभव कानूनी उपाए किए जाएंगे। इसके साथ ही शेयरधारकों को भरोसा दिलाते हुए स्टेटमेंट में कहा गया कि अडानी ग्रुप ने हमेशा सभी सेक्टर्स में पार्दर्शिता और रेग्युलेटरी नियमों का अनुपालन किया है और करता रहेगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गौतम अडानी के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर कहा कि यहां अडानी को तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि गौतम अडानी की गिरफ्तारी नहीं होगी क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनके साथ मिले हुए हैं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्ष अडानी से जुड़े मामले को उठाएगा। उनका कहना था कि अडानी ने अमेरिका और भारत दोनों देशों में नियमों को तोड़ा है। राहुल गांधी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी ने नारा दियाः एक हैं तो सेफ़ हैं। भारत में नरेंद्र मोदी और अडानी एक हैं तो सेफ़ हैं। हिंदुस्तान में अडानी का कुछ नहीं किया जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि यहां मुख्यमंत्री को जेल भेज दिया जाता है और अडानी 2,000 करोड़ रुपये का घोटाला कर के बाहर घूम रहे हैं क्योंकि नरेंद्र मोदी उनकी रक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कहा कि आरोप लगाने से पहले पढ़ लेना चाहिए। अमित मालवीय ने लिखा कि यहां बताए गए सभी राज्य उस दौरान विपक्ष शासित थे। इसलिए, उपदेश देने से पहले, कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा ली गई रिश्वत पर जवाब दें। इसके अलावा, एक भारतीय अदालत इसी तरह, वैध आधार पर, अमेरिकी कंपनियों पर भारतीय बाजारों तक पहुंच से इनकार करने के लिए अमेरिकी सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगा सकती है। तो क्या हमें कानून को अपना काम करने देना चाहिए और संबंधित कॉरपोरेट को अपना बचाव करने देना चाहिए या किसी विदेशी देश की घरेलू राजनीति में खुद को स्थापित करने देना चाहिए? अमित मालवीय ने अपनी पोस्ट में लिखा कि चूंकि बिजली महंगी थी, एसडीसी खरीदने को तैयार नहीं थे। इसलिए अडानी ने (अमेरिकी कंपनी Azure Power के साथ) जुलाई 2021 से फरवरी 2022 के बीच ओडिशा (तत्कालीन बीजेडी शासित), तमिलनाडु (डीएमके), छत्तीसगढ़ (तत्कालीन कांग्रेस) और आंध्र प्रदेश (तत्कालीन वाईएसआरसीपी) में स्थित एसडीसी को 265 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर भुगतान किया।

आज का इतिहास

1971 चीन यूएन की सुरक्षा परिषद का सदस्य बना।
1980 इटली में भूकंप के चलते 2600 लोग मारे गए।
1984 लंदन के व्यस्ततम ऑक्सफोर्ड सर्कस स्टेशन पर आग लगने से क़रीब 1000 लोग फंस गए थे।
1992 आईबीएम ने साइमन , एक हैंडहेल्ड, टचस्क्रीन मोबाइल फोन और पीडीए की शुरुआत की, जिसे पहला स्मार्टफोन माना जाता है।
2005 पूर्वोत्तर चीन में सोंगहुआ नदी पर एक रासायनिक कारखाने में विस्फोट से नदी के पानी में जहरीले बेंजीन के उच्च स्तर का निर्वहन होता है।
2005 एलेन जॉनसन सरलीफ ने लाइबेरियन आम चुनाव जीता, जिससे वह अफ्रीका में पहली लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित महिला प्रमुख बनीं।
2006 पिछले सप्ताह के अंत में लंदन में जहर खाने वाले रूसी पूर्व जासूस अलेक्जेंडर लिटविनेंको की मौत हो गई। उन्हें पहले एक वेंटिलेटर पर हार्ट फेलियर का शिकार होना पड़ा था।
2007 एक इजरायली मनोचिकित्सक और रिजर्व अधिकारी पर रूस, हमास और ईरान को वर्गीकृत जानकारी प्रदान करने का आरोप लगाया गया है।
2008 मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और विपक्षी राजनेताओं के अनुसार रूस के दक्षिणी गणराज्य इंगुशेतिया में अब गृह युद्ध की स्थिति है।
2009 जीन चार्ल्स डी मेनेजेस का परिवार, जिसे 2005 में लंदन में मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने गलती से गोली मार दी थी, पुलिस के साथ एक मुआवजे के सौदे पर पहुँचे, उनके बीच सभी मुकदमेबाजी को हल किया।
2009 मैगुइंडानाओ, फिलीपींस के गवर्नर के लिए आगामी चुनाव में इस्माईल मंगुदुदतु की उम्मीदवारी दर्ज करने के लिए लोगों की भीड़ पर उनके प्रतिद्वंद्वी के समर्थकों द्वारा हमला किया गया, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 57 लोगों की मौत हो गई।
2009 फिलीपिंस में मासूम-बेगुनाह 32 मीडियाकर्मीयों को मौत के घाट उतार दिया गया था।
2010 क़ांतास ने घोषणा की कि एयरबस ए 380 सुपर जंबोज के अपने बेड़े शनिवार को सेवा में वापस आने लगेंगे।
2010 सीमावर्ती दो देशों के पास आयोजित तोपखाने अभ्यासों के जवाब में, उत्तर कोरिया ने येओनप्योंग द्वीप पर बमबारी की, जिसमें चारसौ कोरियाई सैनिकों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए।

लोकतंत्र में 'हॉर्स ट्रेडिंग' हर कीमत पर टाली जानी चाहिए

जूलियो रिबैरो

महाराष्ट्र में 20 नवम्बर को मतदान हुआ। सुबह जल्दी उठने वालों के साथ-साथ, जो आमतौर पर सुबह टहलने के लिए निकलते हैं, मैंने भी अपना वोट डाला। मेरी बढ़ती उम्र के कारण मतदान कर्मचारियों ने सुनिश्चित किया कि मैं सुबह 7 बजे एक या दो मिनट बाद अपने बूथ पर सबसे पहले अपना वोट डालूं। 2 या 3 महीने पहले चुनाव पर्यवेक्षकों ने शरद पवार के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी के हाथों भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति की हार की भविष्यवाणी की थी। एम.वी.ए. में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यू.बी.टी.) और कांग्रेस पार्टी के अलावा एन.सी.पी. (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) का शरद पवार गुट शामिल है।

एग्जिट पोल का बहुमत महायुति के पक्ष में है। 7500 रुपए बैंक खाते में जमा कराने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को वोट मिलने से महायुति आसानी से जीत जाएगी। इस साल के शुरू में हुए लोकसभा चुनावों में एम.वी.ए. ने भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति को करारी शिकस्त दी थी। उस प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं का मनोबल खासा बढ़ा था। इसलिए विधानसभा चुनावों में एम.वी.ए. को बढ़त हासिल थी। सत्तारूढ़ पार्टी की 'लाडकी बहिन' पहल के बाद यह बढ़त काफी कम हो गई। इस आर्थिक रूप से अव्यवहारिक योजना में हर गरीब महिला को हर महीने अपने बैंक खाते में 1500 रुपए मिलेंगे, ताकि वह अपने परिवार को वित्तीय कठिनाइयों से उबार सके।

यह मतदाताओं को रिश्वत देने का एक स्पष्ट प्रयास है, जो चुनाव आयोग की तीखी नजर से बच गया है। महिला लाभार्थियों के उत्साह को देखते हुए कांग्रेस पार्टी की प्रतिक्रिया यह थी कि अगर एम.वी.ए. सत्ता में आई तो मुफ्त सुविधाओं को दोगुना किया जाएगा। यह प्रतिस्पर्धी लोक-लुभावनवाद महिलाओं के महायुति को वोट देने के संकल्प को परेशान कर सकता है, लेकिन यह बजट योजनाकारों और वित्त विभाग के लोगों के लिए विनाश का कारण बनता है, जो हर साल घाटे के वित्त पोषण से जूझते हैं। मैंने मैरी से पूछा, जिसे मेरी पत्नी ने 30 साल पहले रोमानिया से घर लौटने पर घरेलू सहायिका के रूप में भर्ती किया था, कि क्या उसने सरकार द्वारा सभी 'पिछड़ों' को दिए जाने वाले 1500 रुपए प्रति माह के लिए आवेदन किया था। उसने कहा 'हां' उसने किया था, लेकिन उसका अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया क्योंकि वह 60 वर्ष से अधिक उम्र की हो गई थी!

मैंने अंजना से भी पूछा, जो हमारी इमारत में दूसरी मंजिल पर साहनी परिवार के लिए काम करती थी। वह मुस्कुरा रही थी। उसे रुपए मिले थे। एक किस्त में 7500, 4 महीने के लिए 6000 और दीवाली बोनस के रूप में 1500! रुपए उसके बैंक खाते में जमा हो गए थे। मैंने अनुमान लगाया कि अंजना का वोट महायुति के लिए सील कर दिया गया था। एक परेशान करने वाला सवाल दिमाग में घूम रहा है। कांग्रेस पार्टी द्वारा ईनाम को दोगुना करने का वायदा करने के बाद यह और अधिक प्रासंगिक हो गया। क्या वोटों के सील होने और गिनती होने के बाद भी पैसे का वितरण जारी रहेगा? क्या सरकार के पास पर्याप्त पैसा है? आज मतदाता 10 या 20 साल पहले की तुलना में बेहतर जानकारी रखते हैं। उन्हें धोखा देना आसान नहीं है। इन कारकों को ध्यान में रखते

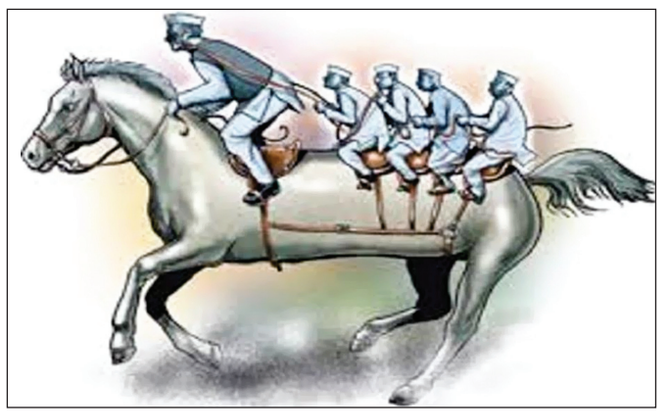

हुए, मैं जो सामान्य निर्णय सुन रहा हूं वह यह है कि यह चुनाव एक करीबी मामला होने जा रहा है। कोई भी वास्तव में परिणामों की भविष्यवाणी नहीं कर सकता। 'लाडकी बहिन' सरकार के पक्ष में स्थिति बदल सकती है। अगर लोग राजनीतिक वर्ग की विश्वसनीयता के बारे में अधिक आश्वस्त होते तो यह निश्चित रूप से स्थिति को बदल सकता था।

2014 में मोदी ने खुद हर नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपए डालने का वादा किया था! 23 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। तब तक इंतजार करें, ताकि पता चल सके कि महयुति द्वारा 'लाडकी बहिन' योजना पर जताया गया भरोसा कितना सफल हुआ है। इस बड़े चुनावी मुकाबले में 2 अन्य मुकाबले भी हैं। मराठी मानुष इन 2 'पक्ष' मुकाबलों के नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। राज्य में भाजपा के कद्दावर नेता देवेंद्र फडनवीस ने शिवसेना और एन.सी.पी. में फूट डाली थी, जो 2 साल पहले एम.वी.ए. सरकार में कांग्रेस की सहयोगी थीं।

अप्रैल में हुए लोकसभा चुनावों में यह साबित हो गया कि अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ अजित पवार की बगावत महाराष्ट्र की राजनीति में दबदबे वाले बड़े मराठा समुदाय को रास नहीं आई। शिवसेना में फूट ज्यादा आनुपातिक थी। बाला साहेब ठाकरे के बेटे उद्धव उनके अभिषिक्त उत्तराधिकारी हैं। नरेंद्र मोदी बार-बार गांधी भाई-बहनों को वंशवाद के उत्तराधिकारी बताते हैं। लेकिन भारतीय संस्कृति में वंशवाद की परम्पराएं आदर्श हैं, और हमारे देश में लगभग हर पार्टी में राजनीतिक वंशवाद की भरमार है। मतदाता वंशवाद को एक 'स्वाभाविक' घटना के रूप में स्वीकार करते हैं। उद्धव ठाकरे बाला साहेब की तरह तुरन्त ताकत दिखाने की आदत से दूर रहे हैं। ऐसा होने का समय आ गया था। शिवसैनिकों ने स्पष्ट रूप से उद्धव के संतुलित दृष्टिकोण को तरजीह दी, न कि उनके चचेरे भाई राज द्वारा वकालत की गई ताकत-उन्मुखी शैली को!

संयोग से, राज केवल उद्धव के पिता की ओर से उनके चचेरे भाई नहीं थे। उनकी माताएं भी बहनें थीं - दो भाइयों ने दो बहनों से विवाह किया था। उद्धव के अपने बेटे आदित्य ने राज्य की राजनीति में खुद को एक युवा, भविष्य के होनहार नेता के रूप में स्थापित किया है, जिसके लिए पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन अन्य राजनेताओं की तुलना में अधिक मायने रखता है। शिवसेना के दोनों गुट, उद्धव और मुख्यमंत्री शिंदे, वर्तमान में समान रूप से एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। मुम्बई शहर में, उद्धव के पास ज्यादा वफादार समर्थक हैं। शिंदे बगल के ठाणे में लोकप्रिय हैं। सिर्फ एक ही नतीजा तय है। शिवसेना में विभाजन के बाद 'मराठी मानुस' वोटों में विभाजन होने जा रहा है। पीछे मुड़कर देखें तो मैं यह कहने की हिम्मत करता हूं कि शिवसेना और एन.सी.पी. में देवेंद्र फडनवीस द्वारा की गई फूट विफल हो गई है। इसने राज्य में भाजपा को सत्ता में वापस तो ला दिया, लेकिन अगर 'लाडकी बहिन' पहल की कल्पना नहीं की गई होती तो यह अंतराल सिर्फ 2 साल तक सीमित रहता। 'लाडकी बहिन' के साथ मुकाबला और भी दिलचस्प हो जाएगा। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि कितनी बहनें वोट डालते समय महायुति को आशीर्वाद देती हैं। यह 64 डॉलर का सवाल है। महाराष्ट्र में मोदी को अभी वह खौफ और सम्मान नहीं मिल रहा है जो उन्हें उत्तर के हिन्दी भाषी राज्यों और निश्चित रूप से गुजरात में मिल रहा है।

शिवसेना के दोनों गुट बाला साहेब ठाकरे को अपना बताने के लिए एक-दूसरे से होड़ कर रहे हैं। एन.सी.पी. (अजित पवार) के पोस्टरों में विपक्ष के शरद पवार को शुभंकर के रूप में दिखाया गया है! शरद के गुट को उन पोस्टरों को हटाने के लिए चुनाव आयोग से सम्पर्क करना पड़ा। अगर आप 'प्रार्थना' करने वाले हैं, तो कृपया प्रार्थना करें कि छोटी पार्टियां, बागी और निर्दलीय उम्मीदवारों को फैसले लेने का मौका न मिले। लोकतंत्र में हॉर्स ट्रेड्शडग एक ऐसा परिदृश्य है जिसे हर कीमत पर टाला जाना चाहिए।

रियो का पैगाम: जी-20 देशों का सालाना शिखर सम्मेलन संपन्न

दीपक कुमार शर्मा

ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में संपन्न जी-20 देशों के सालाना शिखर सम्मेलन पर सभी की निगाहें थीं, क्योंकि विश्व के दिग्गज नेताओं का जमावड़ा इस बार ऐसे वक्त में हुआ, जब दुनिया कई गंभीर संकटों और अनिश्चितताओं से जूझ रही है, जिनकी छाया सम्मेलन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दी। हालांकि यह भी एक हकीकत है कि इन संकटों के बीच भारत ने उल्लेखनीय तरीके से काम किया, जिसकी वजह से उसकी आर्थिक विकास दर अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से कहीं आगे है। चूंकि इन संकटों का असर निर्धनतम वर्ग की बुनियादी जरूरतों पर पड़ता है, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने भूख व गरीबी पर वैश्विक गठबंधन संबंधी ब्राजील के राष्ट्रपति की पहल का उचित ही समर्थन किया है। युद्धों की छाया में हुए इस सम्मेलन में, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नहीं आए, प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि वैश्विक संघर्षों के नतीजों का सर्वाधिक बुरा असर वैश्विक दक्षिण यानी कमजोर व विकासशील देशों पर ही पड़ता है। लिहाजा ऐसी कोरी चर्चाओं का कोई मतलब नहीं है, जिनमें इन देशों की स्थितियों पर विशेष ध्यान न दिया गया हो। उत्साहित करने वाली बात अलबत्ता यह भी रही कि रियो सम्मेलन कमोबेश उन्हीं विचारों को क्रियान्वित करने की दिशा में बढ़ता दिखा, जिनकी नींव पिछले वर्ष नई दिल्ली के ऐतिहासिक जी-20 सम्मेलन में रखी गई थी। ऐसे वक्त में, जब तकरीबन पूरी दुनिया मौसम में आ रहे असामान्य बदलावों से त्रस्त है और खास तौर पर ऐसी समस्याओं पर ही ध्यान देने के लिए आयोजित होने वाले कॉप सरीखे सम्मेलन बाकू में बगैर किसी ठोस नतीजे के समाप्ति की ओर बढ़ते दिख रहे हैं, तब पिछले वर्ष नई दिल्ली में हुए जी-20 सम्मेलन का विषय 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' का रियो विमर्श में शामिल होना उम्मीद जगाता है। नहीं भूलना चाहिए कि जी-20 समूह के सदस्य देश वैश्विक आर्थिक उत्पादन के करीब 85 फीसदी के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में अमीर देशों तक सिमटे जी-7 समूह के बरक्स जी-20 का महत्व इसके व्यापक प्रतिनिधित्व में है, जिसका पिछले वर्ष भारत की पहल पर अफ्रीकी समूह के जी-20 में शामिल होने से और भी अधिक विस्तार हुआ है। 2008 की मंदी के वक्त भी जी-20 ने अपनी उपयोगिता साबित की थी और आज जबकि कमोबेश वैसे ही हालात हैं, तो उससे अपेक्षा बढ़ना स्वाभाविक है। रियो शिखर सम्मेलन की उपलब्धि इस तथ्य में है कि इसमें वैश्विक असहमतियों के बावजूद महत्वपूर्ण मुद्दों पर साझा समाधान ढूंढने की प्रतिबद्धता झलकी। साथ ही, भारत का कमजोर व विकासशील देशों की आवाज बनकर उभरना वैश्विक परिदृश्य में उसके बढ़ते कद को ही दर्शाता है।

झारखंड : इतिहास से वर्तमान तक

डॉ. अनुज

वर्ष 1978 में झारखंड क्षेत्रीय बुद्धिजीवी सम्मेलन में वक्तव्य देते हुए झारखंड के आंदोलनकारी एवं सामाजिक विचारक एनइ होरो ने बहुत गंभीर और सुचिंतित बात कही थी कि पहले की अर्थव्यवस्था धरती पर चारों तरफ गांव-गांव में फैली हुई थी, जबकि आज की अर्थव्यवस्था में हजारों मीलों तक बिखरे हुए गांव वीरान हैं और सारे उद्योग कुछेक शहरों में सिमट आये हैं।

उस सम्मेलन में उनकी तरफ से झारखंड के विकास के लिए आर्थिक विकास का जो ढांचा पेश किया गया था, वह झारखंड के समाज की चिंताओं पर आधारित तो था ही, उससे ज्यादा यहां के समाज के समाजवादी गुणों की तलाश थी। उसमें पूंजीवाद से उत्पन्न असमानता और असंतुलनों का विश्लेषण करते हुए झारखंड के विकास को दिशा देने की चिंता थी। आर्थिक विकास का ढांचा प्रस्तुत करते हुए उन्होंने 'आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था' पर सबसे ज्यादा जोर दिया था।

एनइ होरो का विश्लेषण यह था कि पुराने समय में झारखंडी समाज आत्मनिर्भर समाज था। इस समाज के पास अन्न एवं कपड़े के उत्पादन के साथ बुनियादी जरूरतें पूरी करने की व्यवस्था और क्षमता थी। झारखंड का अपना बाजार था। टाटा, धनबाद, बोकारो जैसे नये औद्योगिक शहरों के दौर में आज शायद ही लोगों को मालूम हो कि लोहरदगा, सरगुजा, सिल्ली, पिठोरिया, गांगपुर, गोविंदपुर, जशपुर, चतरा, और तमाड़ झारखंड के पुराने बड़े बाजार थे। इन बाजारों में आपसी संबंध थे। ओडिशा, छत्तीसगढ़ और बंगाल जैसे दूसरे

प्रांतों से लोग बाजार के लिए आते थे। बंदगांव और चक्रधरपुर से कच्चा लोहा तथा पत्थर जशपुर और सरगुजा के बाजारों में जाते थे। पलामू से आंवला जाता था।

हिंदुस्तान लीवर ब्रदर्स कंपनी के लिए कच्चा माल बड़े पैमाने पर यहीं से जाता था। लाह की खेती में तो झारखंड अग्रणी था ही। इन बाजारों का संबंध जैविक रूप से झारखंड के गांवों से था। लेकिन दुखद यह है कि ये सारे बड़े बाजार खत्म हो गये। परंपरागत अर्थव्यवस्था ध्वस्त हुई। इससे स्थानीय आर्थिक आत्मनिर्भरता खत्म हो गयी। आंदोलनकारी और विचारक एनइ होरो ने उक्त अभिभाषण में अर्थव्यवस्था की आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए पुराने आर्थिक संदर्भों को उद्धृत किया था। स्वतंत्र झारखंड राज्य के गठन के लिए केंद्र सरकार को दिए गए हर ज्ञापन में झारखंड की स्थानीय अर्थव्यवस्था की विशिष्टता का विशेष उल्लेख किया जाता रहा है।

झारखंड आंदोलन के दौरान केवल अलग राज्य की राजनैतिक मांग नहीं थी, बल्कि सुचिंतित आर्थिक दृष्टि थी। जैसे स्वाधीनता संघर्ष के समय में उपनिवेशवाद के विरोध में स्वदेशीपन की मांग थी। दादाभाई नौरोजी ने 'ड्रेन ऑफ वेल्थ' की थ्योरी के जरिये भारतीय धन के ब्रिटेन चले जाने की बात उजागर की थी। लगभग वैसी ही स्थिति झारखंड की बन गयी थी, जिसने आंदोलन की प्रेरणा दी। ऐसे ही संदर्भों में मार्क्सवादी चिंतक एवं नेता एके राय ने झारखंड की स्थिति को 'आंतरिक उपनिवेश' की स्थिति बताया था। यानी प्राकृतिक संपदा और खान-खनिज से भरपूर समाज में इतनी गरीबी क्यों? वर्ष 1978 के उस ऐतिहासिक सम्मेलन के 50 वर्ष होने वाले हैं।

स्वतंत्र झारखंड राज्य बने हुए ढाई दशक होने वाले हैं। यह राज्य अब वयस्क होने की स्थिति में है और इन दिनों यहां विधानसभा चुनाव की गहमागहमी है। आज झारखंड विधानसभा चुनाव में भागीदारी कर रहे राजनैतिक दलों के एजेंडे की पड़ताल की जाए, तो क्या उनमें झारखंड आंदोलन के दौरान बनी आर्थिक दृष्टि और उसका विचार हमें दिखाई देगा? इस सवाल का जवाब निराशाजनक है, क्योंकि यह एकता की भावना से इतर अन्य गैरजरूरी आवरणों में घिर रहा है। यह लोक-लुभावन प्रलोभनों पर केंद्रित दिख रहा है। न सिर्फ इस विधानसभा चुनाव में, बल्कि पिछले सभी चुनावों में, जिनसे कई सरकारें बनीं, शायद ही कभी झारखंड की आत्मनिर्भरता के लिए अर्थव्यवस्था के स्थानीय संदर्भों को केंद्र में रखा गया हो।

आत्मनिर्भरता की मूल बात यह है कि अर्थव्यवस्था गांव-गांव में फैली हो, न कि किसी एक शहर में सिमटी हो। यह विकेंद्रीकरण और स्वायत्तता का लक्षण है। झारखंड का समाज आज भी इस बात की तस्दीक करता है कि गांव अर्थव्यवस्था की आत्मनिर्भरता के मजबूत स्तंभ हैं। यहां के गांव बड़े पैमाने पर प्रकृति आधारित वस्तुओं के बृहद उत्पादन की क्षमता रखते हैं। उनकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि इनकी पैदावार कहीं और संभव नहीं है। गहरे जलवायु संकट से चिंतित दुनिया की अर्थव्यवस्था आज बहुत तेजी से परंपरागत खाद्यों एवं तकनीकों पर विचार करने के लिए विवश हुई है। इन परंपरागत खाद्यों और तकनीकों की मांग बढ़ी है।

इसका एक उदाहरण भारत सरकार की ही पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित करना है। जंगलों से आच्छादित इस प्रांत में लाह, राल गोंद के उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। ये यहां के परंपरागत उत्पादन हैं, लेकिन इनका समृद्ध अंतरराष्ट्रीय बाजार है। अकेले लाह का उत्पादन झारखंड में सालाना 15-16 हजार टन है, जिससे लगभग पांच लाख किसान सीधे जुड़े हुए हैं। वनोपज, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, चिकित्सा और केमिकल उद्योग के लिए यहां के गांव भौगोलिक रूप से बृहद अवसर उपलब्ध कराते हैं। आज भी यहां के स्थानीय निवासियों की अधिकांश आबादी को शिक्षा और चिकित्सा के लिए चिरंजी, महुआ जैसे वनोपज ही नकदी उपलब्ध कराते हैं। ये महिलाओं की आर्थिक स्वायत्तता के सबसे मजबूत आधार हैं। इन चीजों को नये सेक्टर के रूप में विकसित कर इन्हें ही उद्योगों के रूप में विकसित किया जा सकता है। इनके लिए बड़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार बाट जोह रहा है।

डोनाल्ड ट्रम्प की जीत उनका करिश्मा है या कुछ और?

रहीस सिंह

अंतत: डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन प्रत्याशी के रूप में न केवल जीते बल्कि उन्होंने एक इतिहास भी रचा। वे अमेरिका के एक ऐसे चुने गए राष्ट्रपति हैं जिन पर अपराध सिद्ध हो चुका है। उन्हें मैनहट्टन अदालत ने करीब 34 मामलों में दोषी ठहराया था। बहुत से लोग, विशेषकर लिबरल्स कैपिटल हिल घटना के मामले में उन्हें ही रिंग मास्टर मानते हैं। कैपिटल हिल घटना कम-से-कम अमेरिकी लोकतंत्र के लिए एक 'ब्लैक स्पॉट' की तरह है जिसके कई मायने हैं। वे दो-दो महाभियोगों का सामना कर चुके हैं।

इसके बावजूद 2024 में वे पहले ऐसे प्रेसिडेंट इलेक्ट बन गए हैं जिन्हें इलेक्टोरल कॉलेज और पापुलर वोट, दोनों में ही प्रभावशाली जीत हासिल हुई है। अब प्रश्न यह उठता है कि अमेरिकी वोटर्स ने 76 साल के इस व्यक्ति में ऐसा क्या देखा जो उसके नाम जीत का एक नया इतिहास कर दिया?

अमेरिकी वोटर्स आखिर ऐसा क्या चाहते थे जो लिबरल्स या डेमोक्रेट्स उन्हें नहीं दे सकते थे और रिपब्लिकन उन्हें देने जा रहे हैं? क्या यह रिपब्लिकन पार्टी की नीतिगत मुद्दों पर आधारित जीत है अथवा इस चुनाव में मुद्दों ने नहीं किन्हीं अन्य फैक्टर्स ने महती भूमिका निभाई है जिसमें ट्रम्प कमला हैरिस से बहुत आगे निकल गए?

मुझे ध्यान आ रहा है कि कुछ समय पूर्व मैनहट्टन कोर्ट में जैसे ही ज्यूरर्स से पूछा गया कि वो किस नतीजे पर पहुंचे हैं, तो एक ज्यूरर ने माइक्रोफोन में कहा, 'दोषी'। ट्रम्प ने आंखें बंद की और 'नो' में सिर हिला दिया। जब यह फैसला आया था तब ऐसे सवाल उठाए गए थे कि क्या ट्रम्प की तरह ही अमेरिका की जनता भी इस अपराध से आंख बंद कर लेगी और ट्रम्प को वोट करेगी?

अब जब नतीजे आ चुके हैं और ट्रम्प अपेक्षा से कहीं अधिक प्रभावशाली जीत दर्ज कराने में सफल हो चुके हैं तब यह कहा जा सकता है कि अमेरिकी जनता ने वास्तव में इस मुद्दे पर अपनी आंखें मूंद लीं। लेकिन क्यों? अगर समाजशास्त्रीय नजरिए से देखें तो बैंडविड्थ के एक छोर पर यदि किसी का विरोध हो रहा हो तो दूसरे छोर पर सहानुभूति स्वभावत: बढ़ती है।

ट्रम्प विक्टिम कार्ड खेलने वाले पुराने महारथी हैं। वे खेले भी। परिणाम सभी के सामने है। यहां इस बात का जिक्र करना जरूरी है कि ट्रम्प जब 45वें राष्ट्रपति के रूप

में चुने गए थे तो एक वरिष्ठ अमेरिकी लेखक ने न्यूयॉर्क टाइम्स में अपनी टिप्पणी में लिखा था आज 9 नवम्बर, फ्रेंच रिवोल्यूशनरी कैलेंडर के अनुसार 18वां ब्रूमेयर है।

यह वही दिन है, जब 1799 में नेपोलियन बोनापार्ट ने अपने कुछ लोगों के साथ रिवोल्यूशनरी सरकार के तख्तापलट का नेतृत्व किया था और प्रथम कांसुल के रूप में स्वयं को स्थापित करते हुए विश्व इतिहास को फिर से लिखने वाली व्यवस्था पेश की थी। उन्होंने ऐसा इसलिए लिखा था कि डोनाल्ड ट्रम्प नेपोलियन की सर्वसत्तावादी व्यवस्था के पक्षधर हैं।

वे नेपोलियन की तरह ही दुनिया को एक नए संकट में डाल सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल से लेकर पद छोड़ने तक के समय तक ऐसा कर भी चुके हैं जिसके कई उदाहरण हैं। मैनहट्टन कोर्ट के निर्णय के बाद मेरा अनुमान था कि ट्रम्प जिस खेल के खिलाड़ी हैं वह उन्हें इस अदालती फैसले से जनता के बीच और अधिक लोकप्रिय बनाने का कार्य करेगा। यही हुआ भी।

ट्रम्प और उनके रणनीतिकार अमेरिकी मतदाताओं के मन में यह धारणा बनाने में सफल रहे कि उनके नेता में लाख खामियां हों पर सर्वश्रेष्ठ वही है। वही एक ऐसा नेता है जो उनके देश को फिर से महान (ग्रेट अमेरिका मेक अगेन) बना सकता है। अब सवाल यह है कि इसके लिए ट्रम्प क्या-क्या करेंगे और उसका पूरी दुनिया पर क्या असर पड़ेगा?

तब क्या यह भी माना जा सकता है कि सही अर्थों में ट्रम्प का 'उदय' अभी बाकी है? कमला हैरिस ने ट्रम्प से अधिक धन जुटाया और खर्च भी किया। उन्हें परम्परागत मीडिया से लेकर पूर्व राष्ट्रपतियों तथा नोबल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्रियों की तरफ से काफी समर्थन मिला। टेलर स्विफ्ट जैसी सिंगर और ओपरा विनफ्रे जैसी टॉक होस्ट व बड़े कलाकारों को उनके लिए प्रचार करते हुए देखा गया।

लेकिन वे कभी भी स्वयं को एक मजबूत और नवोन्मेषी नेता के तौर पर पेश नहीं कर पाईं। इसके विपरीत वे बाइडनॉमिक्स की छाया में रहकर ही आगे बढ़ने का जोखिम लेती रहीं। यद्यपि कमला हैरिस को समय कम मिला लेकिन फिर भी वे चुनाव को अपने पक्ष में ले जा सकती थीं। परंतु कर नहीं पाईं। इसके लिए दोषी वे स्वयं ही हैं, कोई और नहीं।

एक बात और, जनता कमला हैरिस के जरिये ट्रम्प को जानना नहीं चाहती थी, कि ट्रम्प क्या हैं। वह तो उनके बारे में जानना चाहती थी जो वे सही से बता नहीं पाईं। जनता एक नेता के तौर पर उनकी नीतियों, विजन और भविष्य के उनके एजेंडे के बारे में जानना चाहती थी लेकिन वे इन सबका उत्तर यह कहकर देना चाहती थीं- ''मैं ट्रम्प नहीं हूं।''

गौर से देखें तो दुनिया के प्रत्येक देश में कम-से-कम दो भिन्न राजनीतिक विचारधाराएं होती हैं। अमेरिका में भी डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन जैसी राजनीतिक विचारधारा के लोग हैं जो अपनी-अपनी पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध थे। इनमें स्विंग की संभावना नहीं थी। यह संभावना तो अनिर्णीत मध्यमार्गी मतदाताओं (अनडिसाइडेड मिडिल वोटर्स) में थी जो न ही किसी के साथ होते हैं और न विरुद्ध।

उसे अपनी तरफ आकर्षित करना होता है। प्रत्याशी की प्रामाणिकता और स्पष्टता उसे प्रभावित कर सकती है। कमला हैरिस इस स्केल पर असफल रहीं। लेकिन ट्रम्प सफल रहे फिर वह चाहे सुजैन की रणनीति के कारण रहा हो अथवा एलन मस्क के तेज दिमाग और सोशल मीडिया के कारण। ट्रम्प चाहे जितने विरोधाभासी और जटिल हों लेकिन वे वैसा ही दिखे जैसा कि हैं।

जनता ने लिबरल्स की हिपोक्रेसी की बजाय ट्रम्प की हुल्लड़बाजी (इडियॉसिटी) को ज्यादा पसंद किया। कमला हैरिस में वह नेचुरैलिटी नजर नहीं आई जो ट्रम्प में आई। कमला हैरिस सब कुछ बैलेंस रखने के चक्कर में एक मजबूत नेता की छवि पेश नहीं कर पाईं। जबकि अमेरिकियों को ऐसा मजबूत नेता चाहिए था जो उनके देश को पुन: 'ग्रेट अमेरिका' बना सके। ट्रम्प कर ले गए। कुल मिलाकर कमला हैरिस अपने चिरपरिचित एजेंडे को छोड़ नहीं पाईं और ट्रम्प थोड़े सच और ढेर सारे झूठ के सहारे अपने मौलिक मुद्दों से बहुत आगे निकल गए।

बसपा के लिये एक बार फिर बुरा सपना तो साबित नहीं होंगे उप चुनाव

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव में भाजपा और समाजवादी पार्टी में किसको कितनी सीटें मिलेंगी,इसको लेकर तो चर्चा हो सकती है,परंतु उप चुनाव में जिस तरह का मतदान देखने को मिला उससे यही लगता है कि बहुजन समाज पार्टी एक बार फिर हासिये पर ही खड़ी नजर आई। किसी भी सीट पर बसपा फाइट करती नहीं दिखी। बसपा सुप्रीमो मायावती के लिये लगता है अब आगे की राह आसान नहीं रह गई है। इसका मुख्य कारण यह भी है कि बसपा का कोर वोटर कहलाने वाले दलितों ने अब भाजपा-सपा के रूप में अपनी नहीं मंजिल चुन ली है।इसी वजह से कमोबेश सभी जगह बसपा मुख्य लड़ाई से गायब दिखी, जिसके चलते भाजपा और सपा सीधी लड़ाई में आ गए हैं। बसपा की तरह ही चन्द्रशेखर आजाद की आजाद पार्टी भी कोई गुल खिलाते नहीं दिखी है। कई सीटों पर दलित मतदाता मुख्य रूप से भाजपा-सपा के बीच बंटे हुए दिखाई दिए, जिसने बीजेपी-सपा के जीत के आकड़े को थोड़ा उलझा दिया है, जिसके पक्ष में दलित मतदाता ज्यादा जायेगें, परिणाम उसी के पक्ष में रहेगा। सबसे बड़ी बात यह रही कि मुरादाबाद की मुस्लिम बाहुल्य कुंदरकी में भाजपा मुस्लिम मतों में सेंध लगाते हुए दिखी, जिसे काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। उधर, कानपुर की सीसामऊ में सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर होने को अनुमान है। यहां के करीब 5.0 मतदान केंद्रों में से आधे से ज्यादा में बसपा प्रत्याशी का बस्ता नहीं दिखा। समाजवादी पार्टी के गढ़ मैनपुरी के कटेहरी उपचुनाव में मतदान से पहले की स्थिति कुछ और थी। तब मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा था। संभावना थी कि बसपा प्रत्याशी अमित वर्मा अपने सजातीय मतों में सेंधमारी कर सपा को तगड़ी चोट देंगे, लेकिन मतदान के दौरान ऐसा प्रतीत नहीं हुआ। अंत में भाजपा के धर्मराज निषाद और सपा की शोभावती वर्मा के बीच ही सीधा मुकाबला दिखा। हां, बसपा का प्रदर्शन कमल व साइकिल का संतुलन बिगाड़ सकता है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार बसपा ने अपने पारंपरिक वोटों के साथ ही जातिगत समीकरण को साधा तो सपा का गणित बिगड़ सकता है।यहां सीधा मुकाबला सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव और भाजपा प्रत्याशी अनुजेश सिंह में रहा। मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कई जगह पुलिस और वोटरों के बीच नोकझोंक होते दिखी। यहां मुकाबला बीजेपी समर्थित रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल और सपा प्रत्याशी सुम्बुल राना के बीच सिमटता हुआ नजर आया। बसपा और आसपा प्रत्याशियों के बीच तीसरे नंबर की लड़ाई दिखी। मुस्लिम मतों की अधिकता वाले गांव के मत प्रतिशत से नतीजे तय होने के आसार बन गए हैं।अति पिछड़ा वर्ग और जाट मतों की अधिकता वाले गांव में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में रुझान नजर आया। भोकरहेड़ी, करहेड़ा, बेलड़ा समेत अन्य गांवों में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं की लामबंदी दिखी। मुस्लिम मतों की अधिवक्ता वाले ककरौली, सीकरी, मीरापुर, जटवाड़ा, जौली में सुबह मुस्लिम मतदाता सपा, बसपा और आसपा के बीच बंटते नजर आए। ककरौली में पथराव के बाद मुस्लिम मतों की लामबंदी सपा प्रत्याशी के समर्थन में अधिक दिखी। मीरापुर में अनुसूचित जाति के मतदाताओं में बिखराव नजर आया। युवाओं ने आसपा को तरजीह दी, जबकि अन्य मतदाताओं की पहली पसंद बसपा नजर आई। गुर्जरों के मतों के बंटवारे पर भी सबकी निगाह बनी हुई है। प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में करीब एक दर्जन प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे थे लेकिन, मुख्य मुकाबला भाजपा-सपा के बीच है। कुछ इलाकों में सपा भारी दिखाई दी तो कुछ में भाजपा। दलित वोटरों ने किसके पक्ष में मतदान किया, इस पर परिणाम तय होगा। उधर, अलीगढ़ की खैर सीट पर भी सपा और भाजपा प्रत्याशी के बीच सीधी टक्कर दिखी।

ऐसा अनोखा देवी मंदिर जहाँ नहीं है माता की कोई मूर्ति

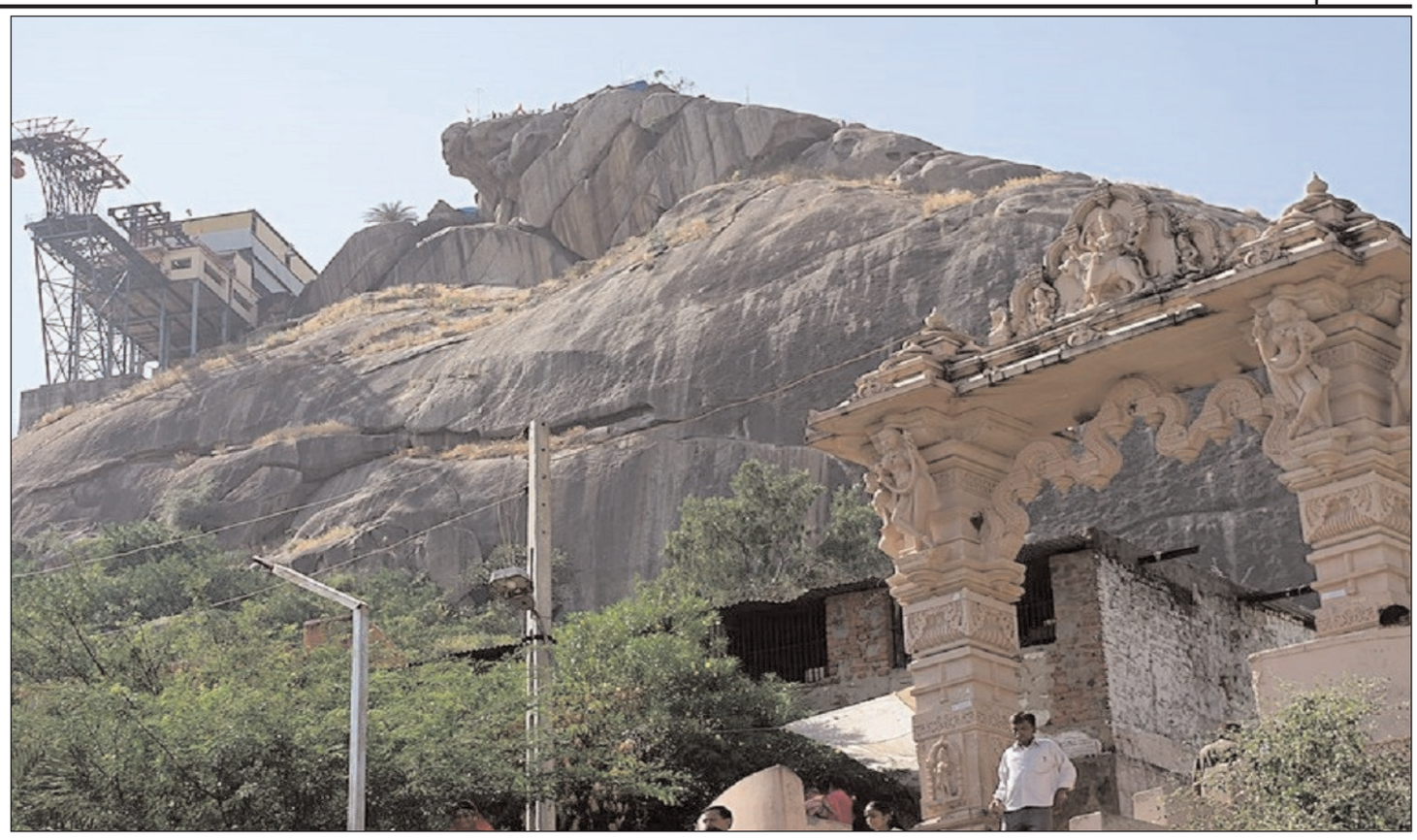

आँखों पर पट्टी बाँधकर की जाती है पूजा

अम्बाजी मंदिर के गृभग्रह में माता की कोई प्रतिमा नहीं है। इस मंदिर में पवित्र श्रीचक्र की पूजा मुख्य रूप से की जाती है। खास बात यह है कि यह श्रीयंत्र सामान्य आंखों से दिखाई नहीं देता और न ही इसकी फोटो ली जा सकती है। इसकी पूजा केवल आंखों पर पट्टी बांधकर ही की जाती है। गुजरात के बनासकांठा में स्थित अम्बाजी मंदिर देश के सबसे प्रमुख मंदिरों में से एक है। यह मंदिर अम्बा देवी को समर्पित है और इस मंदिर को लेकर कई धार्मिक मान्यताएँ है। माना जाता है कि इस स्थान पर माता सती का हृदय गिरा था इसलिए यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में भी शामिल है।

आपको यह जानकर हैरानी होगी इस मंदिर के गृभग्रह में माता की कोई प्रतिमा नहीं है। इस मंदिर में पवित्र श्रीचक्र की पूजा मुख्य रूप से की जाती है। खास बात यह है कि यह श्रीयंत्र सामान्य आंखों से दिखाई नहीं देता और न ही इसकी फोटो ली जा सकती है। इसकी पूजा केवल आंखों पर पट्टी बांधकर ही की जाती है। अंबाजी की असली सीट गब्बर पहाड़ी के ऊपर है। गब्बर पर्वत के टॉप पर देवी का एक छोटा सा मंदिर है जहां 999 सीढ़ियां चढ़कर ऊपर तक पहुंचा जा सकता है। अंबाजी माता मंदिर गुजरात और राजस्थान की सीमा पर बनासकांठा जिले के दांता तालुका में स्थित गब्बर पहाड़ियों की पहाड़ी पर है। हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए अंबाजी आते हैं। खासतौर पर भद्रवी पूर्णिमा, नवरात्रि और दिवाली के दौरान यहाँ भक्तों का ताँता लगा रहता है। यह स्थान अरावली पर्वतमाला के घने जंगलों से घिरा हुआ है। यह पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिकता का सही मिश्रण प्रदान करता है। अंबाजी माता मंदिर के आस-पास कई पर्यटन स्थल हैं, जहाँ पर्यटक घूमने जाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अंबाजी माता मंदिर और इसके आस-पास स्थित प्रमुख पर्टयन स्थलों के बारे में जानकारी देंगे -

मंदिर के आसपास घूमने के स्थल -

गब्बर हिल

गब्बर हिल, अरासुर की पहाड़ियों पर, वैदिक नदी सरस्वती की उत्पत्ति के निकट है, जो अरावली की प्राचीन पहाड़ियों के दक्षिण-पश्चिम की ओर स्थित है। इसकी समुद्र तल से ऊँचाई 1,600 फीट है। गब्बर हिल की खड़ी पहाड़ी पर चढ़ना बहुत मुश्किल है। तीर्थयात्रियों को पैदल पहाड़ियों से 300 पत्थर की सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं, जो एक संकीर्ण खतरनाक ट्रैक की ओर ले जाती हैं। मुख्य मंदिर तक पहुँचने के लिए इस ट्रैक पर चढ़ना पड़ता है। अंबाजी के दर्शन के बाद श्रद्धालु गब्बर पहाड़ पर जरूर जाते हैं।

कैलाश टेकरी

कैलाश टेकरी के ऊपर स्थित, कैलाश हिल सूर्यास्त, अम्बाजी माता मंदिर से लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित है। एक महान सूर्यास्त के दृष्टिकोण के अलावा, यह पहाड़ी एक पूजा स्थल भी है। पहाड़ी पर महादेव के मंदिर में एक शानदार कलात्मक पत्थर का गेट भी है। यहाँ पास में ही मंगलिया वन नामक एक उद्यान भी है, जो पहाड़ी से लगभग 2 किमी दूर है।

कुंभारिया

कुंभारिया अंबाजी मंदिर टाउन से डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित है। कुम्भारिया, बनासकांठा जिले में सांस्कृतिक विरासत के साथ ऐतिहासिक, पुरातत्व और धार्मिक महत्व का एक गाँव है। यह जैन मंदिर से जुड़ा एक ऐतिहासिक स्थान है। इसमें श्री नेमिनाथ भगवान का ऐतिहासिक जैन मंदिर है जो 13वीं शताब्दी का है।

मानसरोवर

मानसरोवर मुख्य मंदिर के पीछे स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि इस सरोवर का निर्माण अहमदाबाद के अम्बाजी के एक नागर भक्त श्री तपिशंकर ने 1584 से 1594 तक किया था। इस पवित्र सरोवर के दो किनारों पर दो मंदिर हैं, जिसमें से एक मंदिर महादेव का है और दूसरा अजय देवी का मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि अजय देवी, अंबाजी की बहन हैं। पर्यटक और भक्त इस मानसरोवर में पवित्र स्नान करने के लिए आते हैं।

कामाक्षी मंदिर

चिकला में स्थित, कामाक्षी मंदिर अंबाजी से लगभग एक किलोमीटर दूर है। दक्षिण भारतीय मंदिर की स्थापत्य शैली का सम्मान करते हुए, इस मंदिर के मैदान में कई अन्य छोटे मंदिर भी हैं जो मुख्य मंदिर को समेटते हैं। आदित्य शक्तिमाता की विभिन्न अभिव्यक्तियों के आवास, इस मंदिर में भारत के कुछ सबसे महत्वपूर्ण शक्तिपीठ हैं।

कैसे पहुंचें

एयरपोर्ट

अंबाजी आने के लिए निकटतम हवाई अड्डा अहमदाबाद का सरदार वल्लभ भाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। यह अंबाजी मंदिर से करीब 186 किलोमीटर दूर है।

रेल

आबू रोड रेलवे स्टेशन, यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन है।

यह मुख्य स्थल से 20 किलोमीटर दूर है। यह स्टेशन दिल्ली समेत अन्य प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है।

सड़क

अहमदाबाद से सड़क मार्ग से अंबाजी आसानी से पहुंचा जा सकता है। अहमदाबाद यहां से 185 किलोमीटर दूर है।

ऐतिहासिक और रमणीक हिल स्टेशन है चिकमगलूर

कर्नाटक की दूसरी सबसे ऊंची चोटी कुद्रेमुख यहां से 95 किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। समुद्र तल से 6,312 फुट की ऊंचाई पर कुद्रेमुख पर्वत से अरब सागर भी देखा जा सकता है। प्राकृतिक संपदा से भरपूर यह क्षेत्र कई गुफाओं से युक्त है।

कर्नाटक की राजधानी बंगलौर से 251 किलोमीटर दूरी पर बसा रमणीक स्थल चिकमगलूर बाबा बुद्धन पहाड़ियों के बीच स्थित है। पहाड़ी और घाटियों से घिरा चिकमगलूर पूरी तरह शांत वातावरण के आवरण में लिपटा हुआ स्थल है। यहां के दर्शनीय स्थलों में केमानगुंडी का नाम पहले आता है। यह स्थान चिकमगलूर से 55 किलोमीटर दूर है जोकि एक अद्वितीय हिल स्टेशन है। यह बाबा बुद्धन पर्वत श्रृंखला में 1,434 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह हिब्बी प्रपात से 8 किलोमीटर दूर है जहां पानी 168 मीटर की ऊंचाई से गिरता है। इसके अलावा यहां कलहरी प्रपात भी है जहां पानी 122 मीटर की ऊंचाई से गिरता है।

कर्नाटक की दूसरी सबसे ऊंची चोटी कुद्रेमुख यहां से 95 किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। समुद्र तल से 6,312 फुट की ऊंचाई पर कुद्रेमुख पर्वत से अरब सागर भी देखा जा सकता है। प्राकृतिक संपदा से भरपूर यह क्षेत्र कई गुफाओं से युक्त है। भूगर्भीय खोजों के बाद पता चला कि यह पहाड़ी लौह अयस्क संपदा से भरपूर है। यहां पर श्रीनगिरी नामक एक इमारत है जिसमें 12 खंभे हैं और इन पर महीने के हिसाब से सूर्य की किरणें पड़ती हैं।

यहां से 530 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में एक अति प्राचीन ऐतिहासिक नगर बीजापुर है। यदि आपके पास समय हो तो आप इसे भी देखने जा सकते हैं। यह आदिलशाही वंश की राजधानी थी। इससे पहले इस क्षेत्र पर चालुक्य वंश के हिंदू राजाओं का शासन था। इसलिए बीजापुर और उसके आसपास अनेक ऐसी ऐतिहासिक धरोहरें हैं जिनमें हिंदू और मुस्लिम स्थापत्य कला का मिलाजुला असर दिखाई पड़ता है।

यहां के दर्शनीय स्थलों में गोल गुंबद, जुम्मा मस्जिद, इब्राहिम रोजा और मलिक-ए-मैदान प्रमुख हैं। मोहम्मद आदिल शाह की ऐतिहासिक इमारत गोल गुंबद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गुंबद है। इसका घेरा 44 मीटर है। गुंबद का अंदरूनी भाग बिना किसी आधार के टिका है जिसे देख कर आश्चर्य होता है। यहां एक गैलरी भी है जिसकी निर्माण कला देखते ही बनती है।

ऐतिहासिक महत्व की जुम्मा मस्जिद संभवतः भारत की पहली मस्जिद भी है। इस कारण इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। यहां स्वर्णाक्षरों में लिखी कुरान की एक अनमोल प्रति भी है जोकि सैलानियों को आकर्षित करती है।इब्राहिम रोजा आदिल शाह द्वितीय की कब्रगाह है। देखने पर यह ताजमहल की नकल तो नहीं लगती पर यह काफी हद तक ताजमहल से ही प्रेरित होकर बनाई गई लगती है। शायद इसीलिए यहां भी सैलानियों का काफी जमावड़ा लगा रहता है। मलिक-ए-मैदान में विश्व की सबसे बड़ी तोप रखी गई है जोकि 14 फुट लंबी और 44 टन भारी है। इस तोप को देखने के लिए यहां सैलानियों की भारी भीड़ लगी रहती है। इन सब स्थलों के अलावा आप मितर महल, जोड़ गुंबद, असार महल, आनंद महल, अर्क किला आदि भी देखने जा सकते हैं।

इस चमत्कारी झील की मिट्टी शरीर पर लगाने से दूर हो जाती हैं गंभीर बीमारियां

यह रहस्यमई झील पेरू के हुआकाचाइना में स्थित है। इस झील को ओएसिस ऑफ अमेरिका के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि इसका पानी और मिट्टी में ऐसा जादू है कि इसके पानी में नहाने या फिर शरीर पर इसकी मिट्टी का लेप लगाने से सभी बीमारियां दूर हो जाती हैं।

हमारा पूरा संसार अजूबों और रहस्यों से भरा हुआ है। दुनिया में ऐसी कई अनोखी और रहस्यमयी जगहें हैं जिनके बारे में जानकार लोग दंग रह जाते हैं। इनमें से कई रहस्यों के पीछे की गुत्थी तो वैज्ञानिक भी अभी तक नहीं सुलझा पाए हैं। आप भी जब इन जगहों के बारे में जानेंगे तो सोच में पड़ जाएंगे कि आखिर ऐसा कैसे हो सकता है। भारत के कई ऐसी झीलें हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि यहाँ नहाने से गंभीर बीमारियां ठीक हो जाती हैं। इसके पीछे की असली वजह क्या है, ये तो कोई नहीं जानता। लेकिन पर्यटकों के बीच ये जगहें खूब मशहूर हो रही हैं। आज के इस लेख में हम आपको एक ऐसी झील के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि यहाँ एक जलपरी मौजूद है। ऐसा कहा जाता है कि यह जलपरी यहाँ आने वाले लोगों की बीमारियां दूर कर देती है।

यह रहस्यमई झील पेरू के हुआकाचाइना में स्थित है। इस झील को ओएसिस ऑफ अमेरिका के नाम से भी जाना जाता है। दुनियाभर से पर्यटक यहाँ घूमने आते हैं और इस झील में डुबकी लगाते हैं। इंटरनेट पर मौजूद आंकड़ों के मुताबिक, इस क्षेत्र की कुल आबादी 1 लोगों की है लेकिन यहां हर साल 1 हजार से भी ज्यादा पर्यटक घूमने आते हैं। इस झील के आसपास रेत के ऊंचे टीले भी हैं। इस झील के बारे में ऐसा कहा जाता है कि इसका पानी और मिट्टी में ऐसा जादू है कि इसके पानी में नहाने या फिर शरीर पर इसकी मिट्टी का लेप लगाने से सभी बीमारियां दूर हो जाती हैं। यहां के स्थानीय लोगों के अलावा पर्यटक भी इस झील की मिट्टी का लेप भी शरीर पर लगाते हैं।

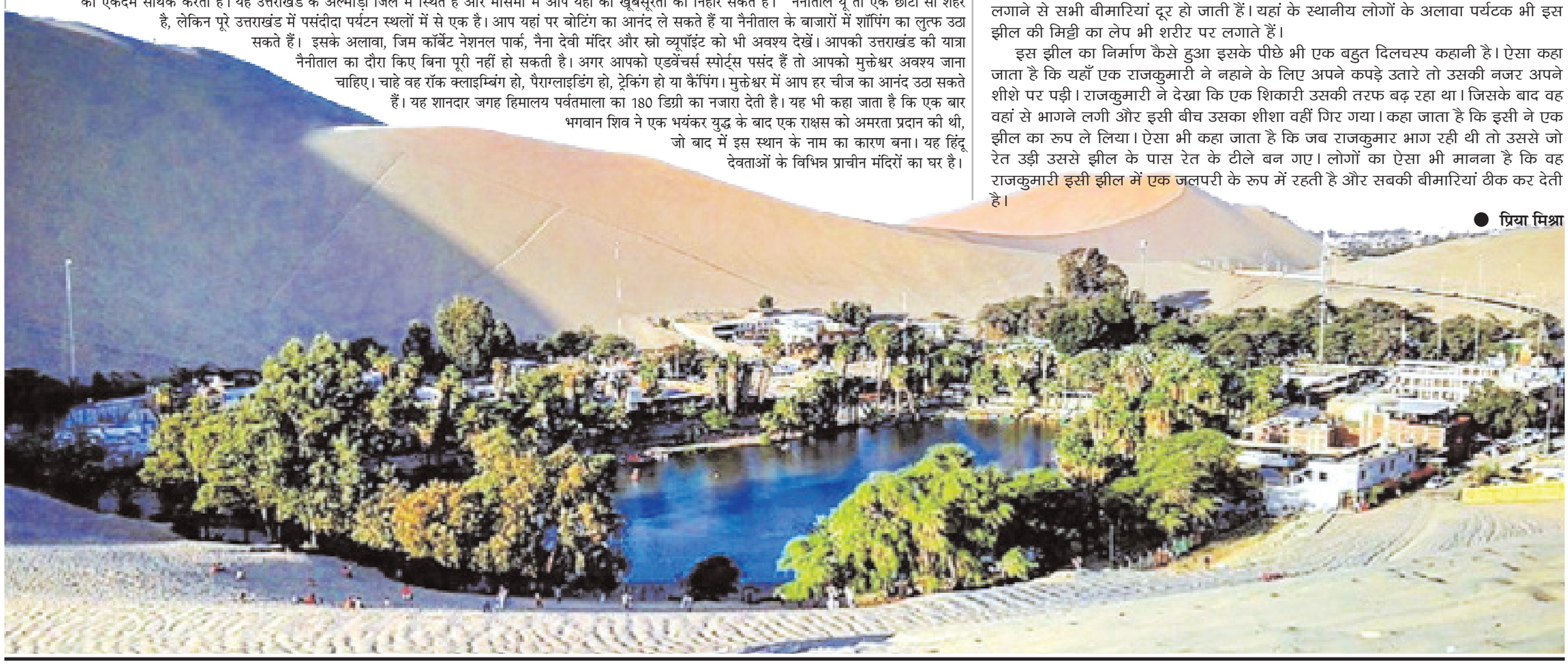

इस झील का निर्माण कैसे हुआ इसके पीछे भी एक बहुत दिलचस्प कहानी है। ऐसा कहा जाता है कि यहाँ एक राजकुमारी ने नहाने के लिए अपने कपड़े उतारे तो उसकी नजर अपने शीशे पर पड़ी। राजकुमारी ने देखा कि एक शिकारी उसकी तरफ बढ़ रहा था। जिसके बाद वह वहां से भागने लगी और इसी बीच उसका शीशा वहीं गिर गया। कहा जाता है कि इसी ने एक झील का रूप ले लिया। ऐसा भी कहा जाता है कि जब राजकुमार भाग रही थी तो उससे जो रेत उड़ी उससे झील के पास रेत के टीले बन गए। लोगों का ऐसा भी मानना है कि वह राजकुमारी इसी झील में एक जलपरी के रूप में रहती है और सबकी बीमारियां ठीक कर देती है।

● प्रिया मिश्रा

उत्तराखंड के इन हिल स्टेशन की खूबसूरती हैं लाजवाब

देवदार के पेड़ों के साथ यह उत्तराखंड का एक बेहतरीन हिल स्टेशन है। रानीखेत का अर्थ है रानी की भूमि और यह अपने नाम को एकदम सार्थक करती हैं। यह उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में स्थित है और मौसमों में आप यहां की खूबसूरती को निहार सकते हैं। यह उत्तराखंड का एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है। यहां पर आप अपने पार्टनर से लेकर दोस्तों यहां तक कि सोलो ट्रिप की योजना भी बना सकते हैं। आप दक्षिण में शिवालिक पर्वतमाला और दून घाटी की एक झलक देख सकते हैं। आप कैमल्स बैक रोड में टहलने जा सकते हैं या केम्प्टी फॉल्स देख सकते हैं या माल रोड से शॉपिंग कर सकते हैं। देवदार के पेड़ों के साथ यह उत्तराखंड का एक बेहतरीन हिल स्टेशन है। रानीखेत का अर्थ है रानी की भूमि और यह अपने नाम को एकदम सार्थक करती हैं। यह उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में स्थित है और मौसमों में आप यहां की खूबसूरती को निहार सकते हैं। नैनीताल यूं तो एक छोटा सा शहर है, लेकिन पूरे उत्तराखंड में पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक है। आप यहां पर बोटिंग का आनंद ले सकते हैं या नैनीताल के बाजारों में शॉपिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा, जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, नैना देवी मंदिर और स्नो व्यूपॉइंट को भी अवश्य देखें। आपकी उत्तराखंड की यात्रा नैनीताल का दौरा किए बिना पूरी नहीं हो सकती है। अगर आपको एडवेंचर्स स्पोर्ट्स पसंद हैं तो आपको मुक्तेश्वर अवश्य जाना चाहिए। चाहे वह रॉक क्लाइम्बिंग हो, पैराग्लाइडिंग हो, ट्रेकिंग हो या कैंपिंग। मुक्तेश्वर में आप हर चीज का आनंद उठा सकते हैं। यह शानदार जगह हिमालय पर्वतमाला का 180 डिग्री का नजारा देती है। यह भी कहा जाता है कि एक बार भगवान शिव ने एक भयंकर युद्ध के बाद एक राक्षस को अमरता प्रदान की थी, जो बाद में इस स्थान के नाम का कारण बना। यह हिंदू देवताओं के विभिन्न प्राचीन मंदिरों का घर है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अडानी विवाद में आरोपों के घेरे में आंध्र प्रदेश की पूर्व सरकार

अमरावती। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा अडानी समूह पर आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस रेड्डी को रिश्वत देने का आरोप लगाने के कुछ ही घंटों बाद जगन मोहन रेड्डी सहित अन्य लोगों से 200 मिलियन डॉलर (रू.1,750 करोड़) की धोखाधड़ी के आरोपों को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने खारिज कर दिया है। एसईसी अभियोग में अडानी पर वाईएसआर कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली आंध्र प्रदेश सरकार के साथ 7 गीगावाट सौर ऊर्जा सौदा हासिल करने में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। पार्टी ने किसी भी अनियमितता से इनकार किया है और दोहराया है कि इस सौदे से राज्य को लाभ होगा। इसमें कहा गया है कि आंध्र प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) और अडानी समूह की किसी कंपनी के बीच कोई सीधा समझौता नहीं हुआ है। एक बयान में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने कहा कि नवंबर 2021 में आंध्र प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग द्वारा सात हजार मेगावाट की बिजली खरीद को मंजूरी दी गई थी।

सभी मिलकर बैठेंगे और सीएम चुनेंगे : संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के नतीजों से पहले ही जहां महाविकास आघाड़ी (एमवीए) और महायुति ने अपनी-अपनी जीत के दावे करने शुरू कर दिए हैं, वहीं दोनों गठबंधनों में सीएम पद को लेकर आंतरिक रूप से टकराव भी शुरू हो गया है। अब नतीजों से पहले उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने दावा किया है कि वह बहुमत हासिल करने जा रही है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, परिणाम आज आएंगे। हमें यकीन है कि हम बहुमत हासिल करने जा रहे हैं। हमारे 160-165 विधायक चुने जाएंगे। खोखा वाले उन पर दबाव बनाएंगे, इसलिए हमने उनके लिए एक होटल में एक साथ रहने की व्यवस्था की है। शरद पवार, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे को (मुख्यमंत्री का चेहरा चुनने में) भूमिका निभानी होगी। एमवीए को पूर्ण बहुमत मिलेगा और हम सर्वसम्मति से निर्णय लेंगे। अभी तक कोई फार्मूला नहीं बना है, सभी मिलकर बैठेंगे और सीएम चुनेंगे।

महाराष्ट्र में किसका समर्थन करेंगे प्रकाश अंबेडकर?

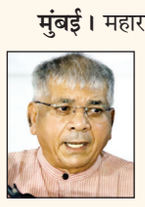

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे शनिवार को आने वाले हैं। महायुति और महाविकास आघाड़ी के बीच चुनावी लड़ाई है। दोनों अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। वहीं, वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने अपने समर्थन को लेकर बड़ा दावा किया है। प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि अगर उनकी पार्टी को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में आवश्यक संख्या मिलती है, तो वह उस पक्ष को चुनेगी जो सरकार बना सके। एक्स पर एक पोस्ट में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के पोते ने कहा कि उनकी पार्टी ही सत्ता चुनेगी। प्रकाश अंबेडकर ने लिखा कि अगर वीबीए को आज महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी या गठबंधन का समर्थन करने के लिए संख्या मिलती है, तो हम उसके साथ रहना चुनेंगे जो सरकार बना सकता है। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा कि हम सत्ता चुनेंगे! वीबीए ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 200 उम्मीदवार उतारे हैं।

पूरी दिल्ली में रेवड़ी पर चर्चा करेगी आप

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर फरवरी 2025 में होने वाले आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए अपना अभियान शुरू करेगी। लॉन्च कार्यक्रम में आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल शामिल होंगे, जो रेवड़ियों के मुद्दे पर चर्चा का नेतृत्व करेंगे। यह पार्टी की चुनावी रणनीति का केंद्रीय विषय रहा है। केजरीवाल के संबोधन का उद्देश्य कल्याणकारी नीतियों के लिए पार्टी के दृष्टिकोण को समझाना और मुफ्त सेवाएं प्रदान करने की विपक्ष की आलोचना का जवाब देना होगा। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने सूची में पूर्व भाजपा नेताओं ब्रह्म सिंह तंवर, अनिल झा और बीबी त्यागी के साथ-साथ पूर्व कांग्रेस नेता चौधरी जुबैर अहमद, वीर धींगान और सुमेश शौकीन को भी टिकट दिया है, जो हाल ही में आप में शामिल हुए थे।

चुनावी नतीजों से पहले बढ़ीं नवाब मलिक की मुश्किलें

मुंबई। आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत राज्य के पूर्व मंत्री और राकांपा नेता नवाब मलिक के खिलाफ 2022 में दर्ज की गई एफआईआर की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या अदालत की निगरानी में जांच की मांग करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया है। करदाता सेवा महानिदेशालय (डीजीटीएस) में अतिरिक्त आयुक्त और महार अनुसूचित जाति के सदस्य वानखेड़े का आरोप है कि मामले में पुलिस की निष्क्रियता से उन्हें और उनके परिवार को काफी मानसिक परेशानी और अपमान हुआ है। 14 अगस्त 2022 को वानखेड़े ने मलिक के खिलाफ गोरेगांव पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई. मामले में मलिक को न तो गिरफ्तार किया गया है और न ही आज तक मामले में आरोपपत्र दाखिल किया गया है।

मणिपुर में ताजा हिंसा पर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने, खड़गे के आरोप पर नड्डा का पलटवार

अपने गलत फैसलों को भूल रही कांग्रेस : भाजपा

नईदिल्ली। मणिपुर में ताजा हिंसा से भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है और दोनों राज्य में संकट के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर मणिपुर अशांति के मुद्दे पर गलत, झूठा और राजनीति से प्रेरित कहानी को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उनकी टिप्पणी कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्तक्षेप की मांग करने और संकट को कम करने में केंद्र की पूरी विफलता का आरोप लगाने के कुछ ही घंटों बाद आई है।

नड्डा ने अपने पत्र में लिखा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आप भूल गए हैं कि न केवल आपकी सरकार ने भारत में विदेशी आतंकवादियों के अवैध प्रवास को वैध बनाया था, बल्कि तत्कालीन गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने उनके साथ संधियों पर हस्ताक्षर किए थे! इसके अलावा, गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने देश से भाग रहे इन ज्ञात उग्रवादी नेताओं का पूरे दिल से समर्थन किया गया और उनके अस्थिर प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

भाजपा अध्यक्ष ने आगे लिखा कि आपकी सरकार के तहत भारत की सुरक्षा और प्रशासनिक प्रोटोकॉल की पूर्ण विफलता एक प्रमुख कारण है कि उग्रवादी और आदतन हिंसक संगठन मणिपुर में कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को नष्ट करने और इसे कई दशकों तक अराजकता के युग में धकेलने का प्रयास कर रहे हैं। हालाँकि, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ कि कांग्रेस के विपरीत, हमारी सरकार किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और मणिपुर की सरकारें शुरुआती हिंसा के बाद से ही स्थिति को स्थिर करने और लोगों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं।

नड्डा ने खरगे से कहा, ''इसके बावजूद आप और आपकी पार्टी ने इन घटनाक्रमों को नजरअंदाज करते हुए राजनीतिक लाभ उठाने और अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर और उसके लोगों का इस्तेमाल करने का विकल्प चुना। मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि कांग्रेस के पूर्व शासन में मणिपुर ने इतिहास के सबसे खूनी दौर को देखा है।'' उन्होंने कहा कि 90 के दशक के काले दौर में बड़े पैमाने पर हिंसा के कारण हजारों लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए। उन्होंने कहा कि इसके

अलावा केवल 2011 में मणिपुर में 120 दिन से अधिक समय तक पूर्ण नाकाबंदी देखी गई। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और एलपीजी की कीमत देश के बाकी हिस्सों की तुलना में लगभग चार गुना अधिक थीं और हर दिन सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में हजारों फर्जी मुठभेड़ें हुई थीं।

नड्डा ने बताया कि मणिपुर की मौजूदा स्थिति स्थानीय मुद्दों से निपटने में कांग्रेस की घोर विफलता का परिणाम है जब वह सत्ता में थी। उन्होंने राज्य में स्थिति को सनसनीखेज बनाने की पार्टी की बार-बार की कोशिशों पर हैरानी व्यक्त की। उन्होंने खरगे को संबोधित एक पत्र में कहा कि चौंकाने वाली बात यह है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा मणिपुर में स्थिति को सनसनीखेज बनाने के लिए बार-बार प्रयास किए जा रहे हैं।

भाजपा प्रमुख ने कहा कि भारत की प्रगति को पटरी से उतारने के लिए विदेशी ताकतों के गठजोड़ को समर्थन देने और प्रोत्साहित करने का कांग्रेस नेताओं का तरीका चिंताजनक है और सवाल किया कि क्या यह विफलता कांग्रेस की सत्ता की लालसा से उत्पन्न एक दुर्भाग्यपूर्ण अंधा धब्बा है या सावधानीपूर्वक तैयार की गई रणनीति का हिस्सा है। लोगों को विभाजित करना और लोकतंत्र को किनारे करना।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि वह मणिपुर के मामले में तत्काल हस्तक्षेप करें ताकि राज्य के लोगों की जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर हिंसा रोकने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रहने का आरोप भी लगाया था और दावा किया था कि प्रदेश की जनता अब इन दोनों सरकारों में विश्वास खो चुकी है। मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा होने के बाद खरगे ने राष्ट्रपति को दो पृष्ठों का पत्र लिखा।

उन्होंने लिखा था, ''देश को असाधारण रूप से गंभीर त्रासदी झेलनी पड़ी है। पिछले 18 महीनों से मणिपुर में अभूतपूर्व उथल-पुथल के कारण महिलाओं, बच्चों सहित 300 से अधिक लोगों की जान चली गई है। इस त्रासदी ने लगभग एक लाख लोगों को आंतरिक रूप से विस्थापित कर दिया है। लोगों की पीड़ा लगातार बनी हुई है।

मणिपुर में भीड़ के हमले को लेकर डर के साये में मंत्री

इंफाल। मणिपुर में पिछले साल मई में भड़की हिंसा अभी भी थमने का नाम नहीं ले रही है। हाल ही में कई मंत्रियों और विधायकों के घर फूंक दिए गए, जिसके चलते सभी डर में हैं। ऐसे में यहां के एक मंत्री ने पूर्वी इंफाल जिले में अपने पैतृक घर को भीड़ के हमले से बचाने के लिए आवास के चारों ओर कांटेदार तार की बाड़ और लोहे के जाल का निर्माण कराया है। इतना ही नहीं बल्कि सुरक्षा बलों के लिए अस्थायी बंकर भी बनाए हैं। मणिपुर के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री एल सुसिंद्रो मेइतेई के खुरई स्थित पैतृक घर पर 16 नवंबर को भीड़ ने हमला किया था। मंत्री ने कहा कि पिछले साल तीन मई के बाद से अबतक तीन बार हमला हो चुका है। उन्होंने कहा, घर की रक्षा के लिए कंटीले तार की बाड़ और लोहे का जाल लगाना जरूरी था। 16 नवंबर को प्रदर्शनकारी आगजनी, लूट और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से इलेक्ट्रिक ड्रिल और हथौड़े लेकर आए थे। 16 नवंबर को भीड़ द्वारा कई विधायकों के घरों पर हमला और तोड़फोड़ की घटना को याद करते हुए सुसिंद्रो ने कहा, मैं उस दिन घर पर मौजूद नहीं था। दोपहर के दौरान, बड़ी संख्या में महिलाएं और बुजुर्ग आए और मेरे परिवार के सदस्यों ने उनसे बात की और वे चले गए। उन्होंने कहा, शाम करीब साढ़े छह बजे सूर्यास्त के बाद करीब 3,000 लोगों की भीड़ ने मेरे घर में घुसने की कोशिश की और गोलियां चलाईं।

परिणाम से पहले ही महाराष्ट्र में रिसॉर्ट पॉलिटिक्स शुरू!

एमवीए विधायकों को सुरक्षित स्थान पर करेगा एयरलिफ्ट

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव संपन्न होने और एग्जिट पोल जारी होने के बाद कांग्रेस पार्टी नतीजों के बाद की रणनीति बनाने में सावधानी बरत रही है। चुनौतियों का अनुमान लगाते हुए कांग्रेस ने अपने विजयी उम्मीदवारों को सुरक्षित करने और संभावित दलबदल को रोकने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार को निर्वाचित विधायकों से संपर्क बनाए रखने और जरूरत पड़ने पर उन्हें एयरलिफ्ट के जरिए स्थानांतरित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह रणनीतिक कदम पार्टी की इस चिंता से उपजा है कि भाजपा उनके विजयी उम्मीदवारों को अपने पाले में करने की कोशिश कर सकती है।

कांग्रेस दलबदल को रोकने के लिए उत्सुक है

महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन की अखंडता की रक्षा के लिए, कांग्रेस ने सरकार गठन की प्रक्रिया पूरी होने तक अपने विजयी उम्मीदवारों को कर्नाटक या तेलंगाना में सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की योजना बनाई है, जैसा कि जागरण ने बताया है। पार्टी यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है कि उसके विधायक एकजुट रहें और भाजपा के संपर्क से बचें।

नतीजों के आधिकारिक रूप से घोषित होने से पहले ही कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों के लिए %सुरक्षित सीटों% की पहचान कर ली है, और ज़रूरत पड़ने पर उन्हें हवाई मार्ग से सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की तैयारी कर रही है। इस एहतियाती कदम का उद्देश्य संभावित राजनीतिक चालबाज़ियों का मुकाबला करना है जो गठबंधन की स्थिरता को ख़तरे में डाल सकती हैं।

संजय राउत को एमवीए की जीत का भरोसा

इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की जीत पर भरोसा जताया। राउत ने दावा किया कि एमवीए से करीब 160-165 विधायक चुने जाएंगे। महा विकास अघाड़ी से सीएम चेहरे की अटकलों पर आगे प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने पुष्टि की कि सीएम चेहरे के चयन के लिए अभी तक कोई फॉर्मूला नहीं बनाया गया है क्योंकि सभी लोग एक साथ बैठकर सीएम का चयन करेंगे।

उम्मीदवारों के लिए होटल की व्यवस्था की गई

भाजपा पर परोक्ष हमला करते हुए राउत ने कहा कि अपने विधायकों को %खोखा वालों% के दबाव से बचाने के लिए उन्होंने विधायक चुने जाने वाले उम्मीदवारों के लिए होटल की व्यवस्था की है। इस बीच, चुनाव आयोग ने मतगणना की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने घोषणा की है कि 23 नवंबर, 2024 को सुबह 8 बजे मतगणना शुरू होगी। इस साल मतदान प्रतिशत में 2019 के 61.1त्न से बढ़कर लगभग 66त्न हो गया, जो मतदाताओं की बढ़ी हुई भागीदारी को दर्शाता है।

खेल
प्रमुख समाचार

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 67/7 भारत से अब भी 83 रन पीछे

पर्थ। पर्थ टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में सात विकेट गंवाकर 67 रन बना लिए हैं। भारत ने अपनी पहली पारी में 150 रन बनाए थे। इस लिहाज से ऑस्ट्रेलिया अब भी 83 रन पीछे है। भारतीय बल्लेबाजी के फ्लॉप रहने के बाद और 150 रन पर ऑलआउट होने के बाद ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया हावी है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी और भी खराब रही। अभी तक कोई भी कंगारू बल्लेबाज 20 के आंकड़े से ऊपर नहीं जा सका है। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने अब तक चार विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही थी। तीसरे ही ओवर में बुमराह ने नाथन मैकस्वीनी को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 10 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को कोहली के हाथों कैच कराया, फिर अगली ही गेंद पर स्टीव स्मिथ को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। ख्वाजा आठ रन और स्मिथ खाता नहीं खोल सके। ट्रेविस हेड को डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने क्लीन बोल्ड किया। वह 11 रन बना सके। वहीं, मिचेल मार्श छह रन बनाकर मोहम्मद सिराज का शिकार बने। सिराज ने इसके बाद लाबुशेन को एल्बीडब्ल्यू किया। वह 52 गेंद में दो रन बना सके। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को भारतीय कप्तान बुमराह ने पंत के हाथों कैच कराया। वह तीन रन बना सके। फिलहाल एलेक्स कैरी 19 रन और मिचेल स्टार्क छह रन बनाकर नाबाद हैं। बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज ने दो विकेट लिए, जबकि हर्षित राणा को एक विकेट मिला।

इससे पहले भारत की पहली पारी 150 रन पर सिमट गई थी। टीम इंडिया के 11 बल्लेबाज मिलकर 50 ओवर भी बल्लेबाजी नहीं कर पाए। 49.3 ओवर में पूरी टीम सिमट गई। नीतीश रेड्डी ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। इसके अलावा ऋषभ पंत ने 37 और केएल राहुल ने 26 रन की पारी खेली।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 1961 अंक चढ़ा, बैंक और आईटी शेयर चमके

नईदिल्ली। घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीद और अमेरिकी बाजारों से मिले मजबूत रुझानों के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखी गई। बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी 2 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त लेकर बंद हुए। बैंक ऑटो और आईटी शेयरों में तेजी से भी बाजार को दम मिला। 30 शेयरों वाल, बीएसई सेंसेक्स 1961.32 अंक या 2.54 प्रतिशत की शानदार बढ़त लेकर 79,117.11 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह इंडेक्स 2,000 अंक से ज्यादा उछल गया था। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 557.35 अंक या 2.39 प्रतिशत की मजबूती होकर 23,907.25 पर बंद हुआ। देसी शेयर बाजार में आज बुल्स का दबदबा रहा। सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में हरियाली देखी गई। एसबीआई, टीसीएस, टाइटन, आईटीसी और इंफोसिस सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे।

ब्रोकरेज ने इन 5 स्टॉक्स में दी निवेश की सलाह

नईदिल्ली। मजबूत ग्लोबल संकेतों के बीच शुक्रवार (22 नवंबर) को घरेलू बाजार में मजबूत शुरुआत हुई। पीएसयू बैंक, फार्मा, रियल्टी शेयरों ने शुरुआती सेशन में बाजार को मजबूती दी। बाजार के बदलते मूड-माहौल के बीच मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों में लंबी अवधि के नजरिए से निवेश का अच्छा मौका बन रहा है। ब्रोकरेज फर्म शेयरखान ने शुक्रवार के अपने लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट आइडिया में दमदार फंडामेंटल वाले 5 शेयरों को शामिल किया है। इन शेयरों में अगले 12 महीने से ज्यादा के टाइमफ्रेम के साथ खरीदारी की सलाह है। इन स्टॉक्स में Finolex Cables, Ratnamani Metals, Protean eGov Tech, Indian Hotels, Godrej Consumer स्टॉक्स में खरीदारी की सलाह दी है। इनमें निवेशकों को अगले एक साल में 42 फीसदी तक का तगड़ा रिटर्न मिल सकता है।

जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन का शेयर बाजार में एंट्री

नईदिल्ली। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन (ब्लैकबक) के शेयर शुक्रवार, 22 नवंबर को शेयर बाजार में हल्की बढ़त के साथ लिस्ट हुए। एनएसई पर यह रू. 280.90 पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस रू. 273 के मुकाबले 2.89% का प्रीमियम दिखाता है। वहीं, बीएसई पर यह रू. 279.05 पर लिस्ट हुआ, जो 2.22% की बढ़त दर्शाता है। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग सब्सक्रिप्शन के लिए 13 नवंबर से 18 नवंबर तक निवेशकों के लिए खुला था। ट्रक ऑपरेशंस के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म ब्लैकबक ऐप की मालिक जिंका लॉजिस्टिक्स ने आईपीओ का प्राइस बैंड रू. 259 से रू. 273 प्रति शेयर तय किया था। तीन दिन की बोली प्रक्रिया के बाद जिंका का आईपीओ अच्छी मांग के साथ बंद हुआ, जिसे कुल 1.87 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। इस आईपीओ में 2.24 करोड़ शेयरों के मुकाबले 4.19 करोड़ शेयरों की बोलियां मिलीं।

एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स का आईपीओ खुला

नईदिल्ली। एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स का आईपीओ आज निवेशकों के लिए सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। यह इश्यू कुल 572 करोड़ रुपये की नई इक्विटी बिक्री और 78 करोड़ रुपये के ऑफर फॉर सेल का कॉम्बिनेशन है। निवेशक 26 नवंबर तक इस इश्यू में बोली लगा सकते हैं। एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स का ग्रे मार्केट प्रीमियम फिलहाल 38 रुपये है, जो इश्यू प्राइस पर 25.6% प्रीमियम दिखाता है। खास बात यह है कि जीएमपी में पिछले कुछ दिनों में जबरदस्त उछाल देखा गया है। एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स आईपीओ का साइज 650.43 करोड़ रुपये है। इसमें 3.87 करोड़ नए शेयर शामिल हैं, जो 572.46 करोड़ रुपये के बराबर हैं, जबकि 0.53 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत 77.97 करोड़ रुपये के हैं। यह आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 22 नवंबर 2024 को खुला और 26 नवंबर 2024 को बंद होगा।

ओलिंपिक के लिए सही राह पर महिला हॉकी

सत्येंद्र पाल

झारखंड के एक बेहद पिछड़े गांव बड़की छापर से आने वाली कप्तान आक्रामक सेंटर हाफ 22 बरस की सलीमा टेटे के साथ चीफ कोच मूल रूप से बिहार के सारण जिले के दाउदपुर के बतराहा गांव के बाशिंदे हरेंद्र सिंह की जुगल जोड़ी के मार्गदर्शन में भारत ने राजगीर में अजेय रही बिहार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी 2024, में अपना खिताब बरकरार रखा। झारखंड की संगीता कुमारी, कप्तान सलीमा टेटे और सहरावत के एक एक गोल से भारत ने पूल मैच में चीन की दीवार 3-0 से जीत के साथ गिराने के बाद दीपिका सहरावत के इकलौते गोल से फाइनल में भी चीन की दीवार दूसरी बार ढहाकर, खिताब जीतकर तिरंगा लहराया।

हरियाणा के हिसार में पहलवानों के परिवार से आने वाली ऑलराउंडर दीपिका सहरावत ने सबसे ज्यादा कुल 11 गोल कर भारत को खिताब बरकरार रखने में मदद की। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने पांचों पूल मैच, सेमीफाइनल और फाइनल सहित अपने सभी सातों मैच जीत कर यह दिखाया कि वह 2028 के लास एंजेलिस ओलंपिक के लिए सही राह पर है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी खिताब तो भारत की लास एंजेलिस, 2028 ओलंपिक की यात्रा की शुरुआत है। वर्ष 2026 में एफआइएच महिला हॉकी विश्व कप और एशियाई खेल उनकी टीम की अग्नि परीक्षा साबित होंगे। वर्ष 2016 में भारत ने पहली बार चीन को ही फाइनल में 2-1 से हराकर महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीतने के बाद 2023 और 2024 में अपने घर में लगातार दो बार सहित कुल तीसरी बार खिताब जीत दक्षिण कोरिया के सबसे ज्यादा तीन बार खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

भारतीय महिला हॉकी टीम की ताकत उसके ग्रामीण परिवेश से आने वाली खिलाड़ी हैं।

वर्ष 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाइ करने की निराशा भुलाकर भारतीय टीम का महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी खिताब बरकरार रखना उसके मिशन 2028 यानी लास एंजेलिस ओलंपिक का सही आगाज है। भारत के नजरिये से उसका अपने घर में खिताब पर कब्जा रखना निश्चित रूप से लड़कियों का हौसला बढ़ाने वाला साबित होगा। अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया की जगह भारत की टीम में शामिल की गई प्रीति दुबे के साथ उपकप्तान नवनीत कौर के साथ संगीता कुमारी, दीपिका सहरावत व ब्यूटी डुंगडुंग जैसी नौजवान स्ट्राइकर कसौटी पर खरी उतरीं।

दीपिका सहरावत ने अपने 11 में से छह गोल पेनल्टी कॉर्नर पर, चार मैदानी और एक पेनल्टी स्ट्रोक पर किए, जबकि संगीता कुमारी ने तीन मैदानी गोल करने के साथ एक गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किया। चीफ कोच हरेंद्र सिंह की मानें, तो महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर रखी गई स्ट्राइकर वंदना कटारिया, फुलबैक निकी प्रधान, सोनिका और मोनिका के लिए टीम में स्थान पाने के दरवाजे खुले हैं। भारत की कप्तान आक्रामक सेंटर हाफ सलीमा टेटे व स्ट्राइकर संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंगडुंग झारखंड के बेहद छोटे से गांवों से आती हैं। सलीमा टेटे के झारखंड के गांव बड़की छप्पर में तो बिजली तक नहीं है। वहीं संगीता कुमारी सिमडेगा के करमगोरी के नवाटोली गांव से और ब्यूटी डुंगडुंग कर्मागोरी के बड़काटोली गांव से आती हैं।

भारतीय टीम की सबसे कम मात्र 17 बरस की सुनीलिता टोपो ओडिशा के सुंदरगढ़ के कुकुड़ा की हैं। वहीं भारतीय टीम में सबसे ज्यादा सात खिलाड़ी, नेहा गोयल, शर्मिला देवी, ज्योति रुमावत, सबसे ज्यादा गोल करने वाली ऑलराउंडर दीपिका सहारावत, उदिता दुहान, नवनीत कौर और गोलरक्षक सविता खिलाड़ी हरियाणा की हैं। इनमें से तीन नेहा, शर्मिला और ज्योति सोनीपत में अपनी हॉकी अकादमी में भारत की लड़कियों की हॉकी नर्सरी तैयार करने में भारत की पूर्व कप्तान प्रीतम सिवाच अकेदमी की हैं। हरियाणा की सभी सात खिलाड़ी ग्रामीण और देश को रानी रामपाल जैसी बेहतरीन हॉकी स्ट्राइकर देने वाले शाहबाद मरकंडा की हैं। जबकि तीन खिलाड़ी- सुशीला चानू, गोलरक्षक बिच्छू देवी खरीबम और ललरेमसियामी पूर्वोत्तर की हैं।

अडानी रिश्वतकांड: प्रदेश में कांग्रेस शासनकाल में हुई थी अडानी से डील: झा

भूपेश बघेल पर किया पलटवार

रायपुर। भारतीय अरबपति गौतम अडानी पर अमेरिकी अदालत में रिश्वत के लगाए गए आरोपों के मद्देनजर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर हमला बोला है. इस पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने भूपेश बघेल पर सफेद झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस डील का हवाला दिया गया है, उस समय छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी. दरअसल, भूपेश बघेल ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि राहुल गांधी ने मोदी और अडानी के लिए 'एक हैं तो सेफ है' वाली बात कही थी. इसका असर भी देखने को मिल गया, जब अमेरिकी अदालत में लगाए गए आरोपों पर अडानी से कोई जवाब नहीं आया, लेकिन केंद्र सरकार के मंत्री और भाजपा के प्रवक्ता दोनों का बयान आया. इससे साफ है कि मोदी और अडानी एक हैं. इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मीडिया सलाहकार पंकज कुमार झा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' में पोस्ट के जरिए भूपेश बघेल पर हमला बोला है. झा ने इसे बड़ा खुलासा बताते हुए कहा कि भूपेश बघेल हमेशा की तरह सफेद झूठ बोल रहे हैं. जिस डील की बात अमेरिकन दस्तावेजों से सामने आयी है, वह डील छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार में समय ही हुई थी. भूपेश बघेल झूठ बोल रहे हैं, यह कोई बड़ी बात नहीं है. वे बोलते रहे हैं. पंकज झा ने कहा कि बड़ी बात यह है कि हमेशा की तरह ही कांग्रेस चोरी और सीनाजोरी दोनों कर रही है. या तो अमेरिकन एजेंसी के तथ्य गलत हैं, अनेक ऐसे कारण हैं, जिससे यह कह सकते हैं कि उसके तथ्य गलत हैं. हिंडनबर्ग से लेकर बाईडेन तक के मामले पर आप ध्यान दें तो यह कह सकते हैं कि स्टेट्स के कार्यवाहक राष्ट्रपति बदले की भावना से काम कर रहे हैं. वे काफी जल्दबाजी में हैं, और अमेरिका को निपटाने की कसम जैसा खा चुके हैं. मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार ने कहा कि अगर अमेरिकन एजेंसी के तथ्यों में दम है, तो निस्संदेह भूपेश बघेल समेत तब की अनेक कांग्रेस शासित और गैर भाजपा शासित राज्यों ने जम कर रिश्वत लिए हैं.

मोदी सरकार अडानी के भ्रष्टाचार की रक्षक: बैज

रायपुर। घूस मामले में केन्द्र सरकार अडानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उससे पूछताछ करे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार अडानी के भ्रष्टाचार की रक्षक है। लीडर ऑफ ऑपोजिसन राहुल गांधी ने कल प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से मामला उठाया कि अडानी के खिलाफ अमेरिका में अमेरिका के न्यायालय में अपराध दर्ज और गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, निश्चित रूप से यह बेहद चिंताजनक है। सोलर एनर्जी के नाम से अमेरिका की एक कंपनी से उन्होंने समझौता किए और साथ ही वहां के कई नामी-गिनामी लोगों से लगभग 25000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उन्होंने सोलर एनर्जी के प्रोजेक्ट के नाम से वसूल किए और साथ ही हमारे देश में इस प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए उन्होंने कई राज्य सरकारों से संपर्क भी किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। उसके बाद लगभग 2200 करोड़ रुपए हालांकि दो हज़ार करोड़ रुपए से अधिक राशि वसूल किए हुए पैसे था उन्होंने घूस के रूप में कुछ राज्य सरकारों में उपयोग किए, जिस का मामला अमेरिका न्यायालय में लगातार चलता रहा।

अब अमेरिका न्यायालय ने उसे गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। ये बेहद ही गंभीर और चिंताजनक है। निश्चित रूप से अमेरिका में वहां के लोगों का पैसा का दुरुपयोग, वहां के लोगों के पैसा का धोखाधड़ी का मामला और घुस का मामला अमेरिका में दर्ज होता है लेकिन वो मामला भारत में दर्ज नहीं हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि इस तरह से धोखाधड़ी मामला चाहे किसी भी देश के लिए हो गंभीर और संगीन मामला है। पूरी कांग्रेस पार्टी पूछ रही है हम भी पूछ रहे क्या अडानी पावर एंड कंपनी के ऊपर कार्रवाई होगा? क्या उनको गिरफ्तार किया जाएगा? क्या देश के प्रधानमंत्री एक है तो सेफ है के नारों के साथ उसको बचाने का काम करेंगे? इन सब सवालों के साथ और साथ ही भारतीय जनता पार्टी तो मानो ऐसा काम कर रही है कि वो तो पूरे अडानी एंड कंपनी का एक प्रवक्ता के रूप में काम कर रही है उसको बचाने के लिये। इसलिए राहुल गांधी जी ने कहा कि निश्चित रूप से इस मामले में कार्रवाई होना चाहिए।

निश्चित रूप से हम लोग भी छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी मांग हुई है कि निश्चित रूप से इस मामले में गिरफ्तारी होना चाहिए और कार्रवाई होनी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अमेरिका का पैसा भारत में उपयोग किया जा रहा है। क्या यहां कानून नहीं है? क्या यहां लोकतंत्र नहीं है क्या? कोई व्यक्ति किसी भी देश में अपराध करता है तो मामला दर्ज होना चाहिए, लेकिन मामला दर्ज कौन करेगा। क्योंकि चौकीदारी उनको बचाने में लगे है। क्योंकि यहां की सरकार इनको गिरफ्तारी होनी ही नहीं देगी।

राज्य के 6 स्वास्थ्य केंद्रों को मिला एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन

रायपुर। उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने वाले राज्य के पांच आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र व एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने नवम्बर माह में ही इन छः स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर मरीजों के लिए उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण किया था। टीम ने इस संबंध में मरीजों से भी फीडबैक लिया था। स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम के मूल्यांकन में महासमुंद ज़िले के प्राथमिक स्वस्थ्य केंद्र लंबर को 94.24त्न, नारायणपुर ज़िले के आयुषमान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र करमरी को 91.87% व एड़का को 86.08त्न के साथ कांकेर जिले के आयुषमान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र अर्रा को 95.03%, तेलगरा को 93.53% व पर्रेकोदो को 89.81% अंक प्राप्त हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने समर्पित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उत्कृष्टता प्रमाण पत्र हासिल करने वाले इन सभी अस्पतालों के डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टॉफको बधाई दी है। उन्होंने भरोसा जताया है कि ये अस्पताल आगे भी अपनी उत्कृष्टता बरकरार रखते हुए मरीजों की सेवा करेंगे और प्रदेश के दूसरे अस्पतालों के लिए नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। दूरस्थ अंचलों में स्थित शासकीय अस्पतालों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र मिलना इस बात का संकेत है कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सभी क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है।

इनमें उपलब्ध सेवाएं, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विसेस, क्लिनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल हैं। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किए जाते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पत्रकारों से चर्चा

भाजपा सरकार किसानों से पूरा धान नहीं खरीदना चाह रही

रायपुर। धान खरीदी में किसानों की परेशानी पर चिंता व्यक्त करते हुये पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि किसानों को टोकन नहीं मिल रहा है। छोटे-छोटे किसान बोल रहे कि एक मिनट सर्वर खुलता है कुछ किसान ही रजिस्ट्रेशन करा पाते है फिर सर्वर बंद हो जाता है। अगर टोकन मिल गया तो फिर सर्वर डाउन हो जाता है। किसानों को घंटो खड़ा होना पड़ता है और बारदाने की कमी भी है। धान उठाने की नीति है उसमें बदलाव कर दिये है। अभी धान केंद्र में खरीदी होगी फिर संग्रहण केंद्र ले जाया जायेगा। उसके बाद उसको राईस मिलर को देंगे और अभी किसी राईस मिलर के साथ कोई एग्रीमेंट नहीं हुआ है। इसका मतलब है कि सरकार धान ही नही खरीदना चाहती और 21 क्विंटल का बोर्ड लगा दिया गया है पर कोई भी किसान 21 क्विंटल धान नहीं बेच पा रहा है। प्रति एकड़ किसानों को 8 हजार का नुकसान होगा। राज्य सरकार के द्वारा किसानों को ठगा जा रहा है और रबी फसल लेने से मना कर रहे और विष्णुदेव साय अपने टवीटर में कहते है कि किसानों का रबी फसल लेने में कोई रोक नही है दूसरी तरह उनके आदेश का अवहेलना हो रहा है। साय सरकार की प्रशासन में कोई पकड़ नही है और उनकी बात कोई नही सुनता है बोलते कुछ है और होता कुछ है। विभिन्न जगहो के कलेक्टर ने आदेश कर दिया कि रबी फसल का धान नहीं ले सकते। अगर धान लेंगे तो 50 हजार का फाइन लगेगा। यह सरकार किसान विरोधी सरकार है। पिछले साल 45 प्रतिशत चावल अभी तक जमा नहीं हो पाया है यह सरकार की नाकामी है। उसका खामियाजा गरीब किसान को उठाना पड़ेगा, क्योकि एंग्रीमेंट नही कर रहे तो धान उठाव नही होगा। धान खरीदी चालू हुये 1 हफ्ता हो गया कही भी परिवहन का साधन नही लगा है कि धान का उठाव करे, इसका मतलब कि धान संग्रहण केन्द्र पूरा धान के बोरे से पट जायेगा। दूसरे हफ्ते में धान खरीदी बंद कर देंगे क्योकि धान उठाव नही हुआ है तो धान की खरीदी कैसे करेंगे। वैसे भी 35 दिन अवकाश में बीत जायेगा। इसी प्रकार से रोककर सरकार धान नही खरीदना चाहती है। सरकार कह रही है कि सरकार का सोच यह है कि छत्तीसगढ़ में धान का उत्पादन नही हो रहा है यह छत्तीसगढ़ के किसानों का अपमान है। हमारी सरकार में धान का उत्पादन बढ़ा था।

राजधानी में मिली लाश, युवक की नहीं हुई पहचान

रायपुर। पुरानी बस्ती इलाके में नाले में दो रोज पहले अधेड़ की लाश मिलने के बाद आज एक युवक की लाश कचना तालाब में तैरती मिली है. हालांकि, अभी तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है. मिली जानकारी के अनुसार, आज सुबह खम्हारडीह थाना क्षेत्र के कचना तालाब में एक युवक की लाश आस-पास के लोगों ने देखी, जिसकी सूचना तत्काल उन्होंने पुलिस को दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है. फिलहाल, युवक की पहचान नहीं हो पाई है. युवक के पास से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कार ने बाइक सवार को मारी ठोकर, 3 लोगों की हुई मौत

रायपुर। रायपुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर बैतलपुर के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को ठोकर मार दी, जिससे 1 की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं 2 लोगों ने सरगांव हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया. यह मामला सरगांव थाना क्षेत्र का है. मिली जानकारी के अनुसार, सरगांव थाना अंतर्गत रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे में बैतलपुर के अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट के पास रायपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार महिंद्रा एक्सयूवी कार ने बाइक सवार युवकों को ठोकर मार दी, जिसमें 3 लोगों मौत हो गई. मृतकों की पहचान साध राम रात्रे पिता मूल चंद (62 वर्ष) ग्राम नारायणपुर, चरन रात्रे पिता साध राम (32 वर्ष) नारायणपुर, सरस पिता भागवत रात्रें (35 वर्ष) घुरू अमेंरी बिलासपुर के रूप में हुई है. सरगांव थाना प्रभारी नेतीनों की मौत की पुष्टि की है और मामले की जांच शुरू कर दी है.

रायपुर में 50 एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग

रायपुर. राजधानी में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ नगर निगम की टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की है. जरवाय में लगभग 50 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर निगम जोन 8 की टीम ने सीसी रोड काटकर आवागमन बाधित किया. साथ ही नगर, ग्राम निवेश विभाग एवं नगर निगम से ले आउट, नक्शा पास कराए बिना किए जा रहे काम को बंद कराया. नगर निवेश अधिकारी आभाष मिश्रा ने बताया कि ष्ठ्ठ डेवलपर्स और दो तीन पार्टनर साथ मिलकर लॉजिस्टिक पार्क के नाम से नेशनल हाईवे से लगे लगभग 50 एकड़ की जमीन पर बिना नक्शा पास कराए अवैध प्लाटिंग की जा रही थी. साथ ही हाईवे से जोड़ने के लिए सीसी रोड का भी निर्माण किया जा चुका था. उन्होंने बताया, जमीन से जुड़े दस्तावेज मंगाकर मालिकों को नोटिस भेजा जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि ऐसे अवैध प्लाटिंग से राजस्व में नुकसान होता है. इस पर रोक लगाने के लिए अब निगम ऐसे बड़े अवैध निर्माण और प्लॉटिंग पर नजर रख रही. आगे लगातार कार्रवाई की जाएगी. अवैध प्लाटिंग के खिलाफ चलाए गए इस अभियान में रायपुर तहसीलदार मनुमुक्ता पाटिल एवं जोन 8 जोन कमिश्नर एके हालदार, नगर निवेशक आभाष मिश्रा के नेतृत्व और कार्यपालन अभियंता अभिषेक गुप्ता, नगर निवेश उप अभियंता अक्षय भारद्वाज, रूचिका मिश्रा शामिल थे.

आरक्षक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एक पुलिस आरक्षक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. यह मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है.

गौरेला थाना क्षेत्र के अंजनी गांव में पुलिस आरक्षक की लाश पेड़ से लटकी हुई मिली है. जानकारी के अनुसार, मृतक आरक्षक का नाम अनिल तिवारी है, जो व्यवहार न्यायालय में मोहर्रिर के पद पर कार्यरत था. आरक्षक ने अपनी ससुराल के घर के बगल में स्थित पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी. आरक्षक अनिल तिवारी मूल रूप से रतनपुर थाना क्षेत्र के पौड़ी गांव का निवासी था. पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह जानकारी सामने आई है कि वह लंबे समय से डिप्रेशन में था. घटना की सूचना मिलते ही गौरेला पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को कब्जे में लिया. पोस्टमार्टम के बाद शव को एंबुलेंस के जरिए परिजनों को सौंप दिया गया. पुलिस आत्महत्या के कारणों की गहराई से जांच कर रही है.

तेलीबांधा-वीआईपी रोड सौंदर्यीकरण मामला: 2 इंजीनियर निलंबित

रायपुर। तेलीबांधा-वीआईपी रोड सौंदर्यीकरण मामले में हुई अनियमितताओं के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। सब इंजीनियर प्रभाकर शुक्ला और सहायक अभियंता फ्तेलाल साहू को निलंबित कर दिया गया है. यह कदम विभागीय जांच के बाद उठाया गया है, जिसमें दोनों अधिकारियों पर जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरतने का आरोप है. इसके अलावा, हेमंत शर्मा, जो कि अधीक्षण अभियंता पद पर कार्यरत थे, और शिबुलाल पटेल कार्यपालन अभियंता, दोनों अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं। पेंशन नियमों के तहत इन दोनों के खिलाफविभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं. इस मामले में एक और महत्वपूर्ण एक्शन लेते हुए विभाग ने तत्कालीन जोन कमिश्नर 10 दिनेश कोसरिया के खिलाफ आरोप पत्र जारी करने का आदेश भी दिया गया है. विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुरानी बस्ती इलाके में चाकू लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती इलाके में चाकू लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार हुआ है। मुखबिर से सूचना मिला कि वीरेंद्र यादव नाम का लड़का मटमैले रंग का शर्ट एवं काले रंग का लोअर पहना है ,अपने पास चाकू लेकर घूम रहा है। की सूचना पर तत्काल कोई गंभीर अपराध की घटना घटित न हो की आशंका पर घटनास्थल पर रवाना हुआ मुखबिर के बताए अनुसार लड़का घटना स्थल पर खड़ा था। पुलिस को देख भागने की कोशिश की किंतु पुलिस के तत्परता से भागने में असफल रहा।आरोपी का तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से अवैध रूप से एक नग लोहे का चाकु रखे मिला आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 510/2024 धारा 25 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी को दिनांक 21.11.2024 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

हृदय में प्रत्यारोपित डिवाइस में विराजमान वर्चुअल कार्डियोलॉजिस्ट कर रहा है दिल की निगरानी

रायपुर। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर से संबंद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (एसीआई) के कार्डियोलॉजिस्ट की टीम ने हाल ही में हृदय के सिक साइनस सिंड्रोम नामक बीमारी से ग्रस्त एक ऐसे मरीज का इलाज किया है जिसके हृदय की धड़कन कभी एकदम कम हो जाती थी और कभी अनियमित तौर पर बढ़ जाती थी। ऐसी स्थिति में उसके दिल की धड़कन को नियंत्रित करने के लिए एसीआई के कार्डियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव, डॉ. कुणाल ओस्तवाल, डॉ. शिवकुमार शर्मा एवं टीम ने अत्याधुनिक एवं उन्नत तकनीक से युक्त सीआरटी डी यानी कार्डियक रीसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी विद डिफ्इब्रिलेटर डिवाइस को मरीज के हृदय में प्रत्यारोपित किया है। डॉ. स्मित श्रीवास्तव के अनुसार, इस डिवाइस की खासियत है कि यह स्मार्टफोन ऐप से कनेक्ट होकर हृदय की गतिविधियों की निगरानी एक आभासी (वर्चुअल) कार्डियोलॉजिस्ट की तरह करता है। चूंकि यह मरीज बेमेतरा जिले के दूरस्थ गांव में रहता है इसलिए यह डिवाइस हृदय की दूरस्थ निगरानी (रिमोट मॉनिटरिंग) करता है। यह ब्लूसिंक तकनीक पर आधारित है। इस ऐप के जरिए मरीज के हृदय की गतिविधि की जानकारी और ऐल्गोरिदम डेटा प्राप्त होती है। किसी अप्रत्याशित स्थिति में यह अलग-अलग रंग के सिग्नल के माध्यम से डॉक्टरों को अलर्ट भी भेजता है। एक अध्ययन के मुताबिक सिक साइनस सिंड्रोम (एसएसएस) नामक यह बीमारी 65 साल से ऊपर उम्र के हर 600 लोगों में से एक को होती है। यह साइनस नोड जो कि हृदय का प्राथमिक पेसमेकर है, उसमें आयी खराबी के कारण उत्पन्न होती है। इसके होने के कई कारण हो सकते हैं। अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर कहते हैं कि समय के साथ चिकित्सा क्षेत्र ने अत्याधुनिक प्रगति की है।

आयोग की पहल से परिवार जुड़ा आवेदिका को अनावेदकगणों ने 25 लाख रूपये दिया भरण-पोषण

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. मायी नायक सदस्य एवं गणों श्रीमती सरला कोसरिया, श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, श्रीमती ओज देवी मंडावी, शिक्षामित्र शोरी एवं श्रीमती प्रियंवदा सिंह जूदेव ने आज छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के कार्यालय रायपुर में महिला सम्मिलन से संबंधित प्रकरणों पर जया की। आयोग के अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की नासिका में आज 288 वि. समीक्षा हुई। रायपुर जिले में कुल 139 वि. जनसुनवाई. आज की सुनवाई के दौरान एक प्रकरण में आवेदिका ने बताया कि अनावेदकगणों द्वारा आवेदिका को विद्यार्थियो के नंबर कम-ज्यादा करने के लिए दबाव व धमकी दिया जा रहा था। आवेदिका ने बताया कि मा. राज्यपाल महो. ने तत्कालीन कुलपति को 20.10.2024 को पद

से बर्खास्त कर दिया है। इस मामले में आवेदिका को उसके पद से हटा दिया गया है। इस प्रकरण में दोनो पक्षों को सुना गया और उनके द्वारा बताए गए तथ्यों के आधार पर निर्णय को लंबित रखा गया है। आयोग ने कहा कि इस प्रकरण में वर्तमान कुलपति को पक्षकार बनाया जाना आवश्यक है, ताकि इस प्रकरण का निराकरण किया जा सके। एक प्रकरण में आवेदिका ने बताया कि वह अपना प्रकरण वापस लेना चाहती है। आवेदिका ने बताया कि उसे लगभग 25-30 लाख की सम्पत्ति प्राप्त हो गयी है और परिवार के सभी सदस्य मिलजुल कर रह रहे है उन्हें अब कोई समस्या नहीं है। इस स्तर पर प्रकरण नस्तीबध्द किया गया। एक अन्य प्रकरण में अनावेदक पक्ष के द्वारा आयोग में पूरे छत्तीसगढ़ से लगभग 300 लोगो को बुलाकर दबाव की राजनीति बनाने का प्रयास किया गया। आवेदिका ने बताया की अनावेदकगणों द्वारा उसका चारित्रिक हनन कर उसे बदनाम किया गया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.